दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 260 | ग्वालियर, गुरुवार 24 सितम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

एक नजर

राफेल की पहली महिला पायलट होंगी वाराणसी की शिवांगी सिंह कामयाबी पर घर में जश्न

वाराणसी। देश के सबसे ताकतवर फाइटर विमान राफेल के स्क्वाड्रन गोल्डन एरो में इकलौती और पहली महिला फ्लाईट लेफ्टिनेंट वाराणसी की शिवांगी सिंह शामिल हुई हैं। बिटिया की सफलता पर न केवल घरवालों, बल्कि पूरे शहर को नाज है। वाराणसी के फुलवरिया स्थित शिवांगी के घर पर पड़ोस के बच्चे जुटे और परिवार के साथ खुशियां मनाया। टूर एंड ट्रैवेल का काम करने वाले पिता कुमारेश्वर सिंह की बड़ी बेटी ने साल 2017 में भी इतिहास रचा, जब वह वायु सेना में फाइटर विमान उड़ाने वाली पांच महिला पायलटों में एक शिवांगी सिंह थीं। अब तीसरे साल ही उन्होंने अपने जज्बे और मेहनत से एक और उपलब्धि हासिल की और राफेल के स्क्वाड्रन गोल्डन एरो में शामिल हुईं। एक महीने के तकनीकी प्रशिक्षण में क्वालीफाई करने के बाद अब वह राफेल की टीम का हिस्सा बन गई हैं। पिता ने बताया कि एक दिन पहले ही बेटी से बात हुई तो जानकारी दी। बेटी पर हमे नाज है। वह अन्य बेटियों के लिए एक नजीर बनी है। घर पर मां सीमा सिंह, भाई मयंक, बड़े पिता राजेश्वर सिंह, चचेरे भाई शुभांशु, हिमांशु आदि फूले नहीं समा रहे थे।

भारतीय सेना से घबराए चीनी सैनिक लद्दाख में हुई पोस्टिंग तो लगे रोने

ताइवान। ।भारत-चीन के बीच लद्दाख में कई महीनों से चल रहे सीमा विवाद के चलते हालात तनावपूर्ण हैं। दोनों देशों की सेनाओं ने एलएसी पर बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती कर रखी है। चीनी सैनिकों के बीच भारतीय जवानों को लेकर काफी घबराहट है। पड़ोसी देश के सैनिकों में इस कदर डर है कि जैसे ही चीनी सैनिकों को पता चला कि उनकी तैनाती लद्दाख में भारत-चीन की सीमा पर होने वाली है, उनके आंखों में आंसू आ गए। सोशल मीडिया पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के रोने का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दावा किया जा रहा है कि चीनी सैनिकों के रोने की वजह उनकी लद्दाख में होने वाली तैनाती है। पाकिस्तान के कॉमेडियन जैद हामिद ने 22 सितंबर को फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में, कुछ चीनी सैनिक एक बस में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। वे सभी रो रहे हैं, क्योंकि उनकी पोस्टिंग लद्दाख की सीमा पर होने जा रही है। ताइवान न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बस में सवार चीनी सैनिक पीएलए के गाने ग्रीन फ्लावर्स इन द आर्मी% गाने को भी बहुत मुश्किल से गा पा रहे हैं। यह वीडियो सबसे पहले वीचैट के फुयांग सिटी वीकली के पेज पर अपलोड किया गया था, लेकिन बाद में उसे वहां से हटा दिया गया। ओरिजनल फुटेज में यिंगझोउ जिले के फुयांग सिटी के दस नए सैनिक दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के जरिए से दावा किया गया है कि सभी ताजा भर्तियां कथित तौर पर कॉलेज के छात्रों की थीं और उनमें से पांच ने तिब्बत में सेवा करने के लिए स्वेच्छा से चुना था। ताइवान न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, यह वीडियो कथित तौर पर फूयांग रेलवे स्टेशन पर शूट किया गया था, जब सैनिक हुबेई प्रांत के एक सैन्य शिविर में जाने की तैयारी कर रहे थे। ट्विटर पर भी एक चीनी यूजर ने वीडियो को फिर से पोस्ट किया है।महीनों से चले आ रहे भारत-चीन में तनाव के बीच सोमवार को दोनों पक्षों में कोर कमांडर स्तर की वार्ता हुई थी। तकरीबन 13 घंटे तक चली इस वार्ता के बाद संयुक्त बयान जारी किया गया था। बयान के अनुसार, दोनों देशों ने एलएसी के अग्रिम इलाकों में और सैनिकों की तैनाती नहीं करने पर सहमति जताई है। इसके अलावा, किसी भी गलतफहमी में नहीं आने और तनाव को स्थिर करने को लेकर भी सहमत हुए हैं।

कोरोना पर पीएम मोदी की हाई लेवल मीटिंग

7 राज्यों के मुख्यमंत्रियों से की बात

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हाई लेवल मीटिंग की। उन्होंने महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक समेत सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों एवं स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बातचीत की। इस बैठक में उन राज्यों को शामिल किया गया है, जो कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। कोरोना वायरस के तकरीबन 63 फीसदी सक्रिय मामले इन सात राज्यों में हैं। इस बैठक में दिल्ली के अरविंद केजरीवाल, महाराष्ट्र के उद्धव ठाकरे, आंध्र प्रदेश के जगन मोहन रेड्डी, कर्नाटक के येदियुरप्पा समेत अन्य मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री शामिल हुए। वर्चुअल मीटिंग में गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल रहे। देश में कोरोना के कुल पुष्ट मामलों का तकरीबन 65 फीसदी और कुल मृत्यु के 77 फीसदी मामले भी इन्हीं राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। पंजाब, दिल्ली और अन्य पांच राज्यों में हाल ही में कुल मामलों की संख्या में काफी तेज वृद्धि दर्ज की गई है। महाराष्ट्र, पंजाब और दिल्ली में मृतकों की संख्या भी काफी बढ़ी है। इन राज्यों में मृत्यु दर दो प्रतिशत से अधिक है जो कि मृत्यु दर का उच्च औसत है।

बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने में मदद कर रही केंद्र सरकार-बैठक को लेकर मंगलवार को जारी बयान में कहा गया था कि केंद्र सरकार राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के प्रभावी सहयोग और निकट समन्वय के साथ मिलकर कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रही है। केंद्र सरकार उनकी स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार सहायता कर रही है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स नई दिल्ली के सहयोग से किए गए ई-आईसीयू टेली-परामर्श के माध्यम से आईसीयू का संचालन करने वाले डॉक्टरों की नैदानिक प्रबंधन क्षमताओं को काफी हद तक बेहतर किया गया है।

कर्मचारियों की छंटनी और कंपनी बंद करना आसान संसद ने दी तीन श्रम सुधार विधेयकों को मंजूरी

नई दिल्ली। संसद ने बुधवार को तीन प्रमुख श्रम सुधार विधेयकों को मंजूरी दे दी, जिनके तहत कंपनियों को बंद करने की बाधाएं खत्म होंगी और अधिकतम 300 कर्मचारियों वाली कंपनियों को सरकार की इजाजत के बिना कर्मचारियों को निकालने की अनुमति होगी। राज्यसभा ने ध्वनि मत से औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा पर शेष तीन श्रम संहिताओं को पारित किया। इस दौरान 8 सांसदों के निष्कासन के विरोध में कांग्रेस, वामपंथी और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने राज्यसभा की कार्रवाई का बहिष्कार किया। इन तीनों संहिताओं को लोकसभा ने मंगलवार को पारित किया था और अब इन्हें राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

कृषि विधेयकों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम। सीपीआई (एम) की अगुआई वाली केरल सरकार ने तीन दिन पहले संसद में पास किए गए कृषि विधेयकों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। केरल सरकार ने बुधवार को यह फैसला लेते हुए कहा है कि मोदी सरकार की ओर से पास कराए गए विधेयक संघीय ढांचे का उल्लंघन करते हैं, क्योंकि कृषि समवर्ती सूची में आता है। इससे पहले राज्य के कृषि मंत्री वीसी सुनील कुमार ने कानूनी राय ली थी और उन्हें सलाह दी गई थी कि इन बिलों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। राज्य कैबिनेट ने बुधवार को इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की और कहा गया कि केंद्र सरकार का फैसला राज्य की शक्तियों में दखल है और यह संघीय ढांचे के खिलाफ है। कोरोना संक्रमित होने की वजह से ऑनलाइन कैबिनेट की बैठक में शामिल हुए कुमार ने कहा, कृषि संविधान की सातवीं अनुसूची में हैं। इन विधेयकों को लाने से पहले एक भी राज्य से संपर्क नहीं किया गया। किसान संगठनों को भी अंधेरे में रखा गया। हम मानते हैं कि ये कानून केवल बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाएंगे। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कृषि सहकारी समितियों और स्वयं सहायता समूहों में बड़े पैमाने पर एक वैकल्पिक तंत्र की शुरुआत करेगी। मंत्री ने कहा, देश भर में लाखों किसान दयनीय जीवन जी रहे हैं और कई आत्महत्या कर चुके हैं। महामारी की चपेट में अब मोदी सरकार सुधारों के नाम पर कई नीतियां लेकर आई है। ये केवल बड़े फार्मिंग कॉर्पोरेट्स की मदद करेंगे। यद्यपि केरल कृषि आधारित राज्य नहीं है। कई कृषि संगठनों ने 25 सितंबर को राष्ट्रव्यापी विरोध को अपना समर्थन दिया है। राज्यसभा में कृषि विधेयकों को पास कराए जाने के दौरान हंगामे की वजह से निलंबित किए गए 8 सांसदों में से दो केके रागेश और इलामारोम करीम केरल से हैं।

पिछले एक महीने में क्यों बढ़ीं बस्तर में हत्याएं ? सुकमा में एक और गांव वाले की हत्या

रायपुर। माओवादी प्रभावित क्षेत्र बस्तर में हाल में पुलिसकर्मियों और गांववालों की हत्या वहां पर काम करने वाले सीनियर पुलिस अधिकारी और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले एक महीने के दौरान कुल 11 लोग मारे गए हैं। इनमें से 11 गांव वाले, 4 सुरक्षाकर्मी और एक फॉरेस्ट गार्ड हैं, जिन्हें माओवादियों ने बस्तर डिवीजन में मौत के घाट उतार दिया। बीजापुर में छह नागरिकों समेत दस लोगों की हत्या की गई। बुधवार को सुकमा जिले के जगरगोंडा में 22 वर्षीय एक गांव वाले को मुखबिरी के संदेह में हत्या कर दी गई। इसी तरह, बीजापुर में मंगलवार को एक शख्स को मौत के घाट उतार दिया गया। उस क्षेत्र में तैनात पुलिस अधिकारियों ने कहा कि माओवादियों की तरफ से जा रही हत्याओं की कई सारी वजहें हैं। एक इंटेलिजेंस ऑफिसर ने बताया, पिछले एक साल के दौरान माओवादियों के प्रति राज्य सरकार का नरम रुख रहा है। दूसरा, माओवादियों ने ऐसा महसूस किया है कि उन्हें पिछले कुछ वर्षों के दौरान सुरक्षाबलों की तरफ से किए गए इंटेलिजेंस आधारित ऑपरेशंस के चलते काफी नुकसान उठाना पड़ा है। इंटेलिजेंस अधिकतर मुखबिर हैं, इसलिए उन्होंने कम संदेह पर भी बर्बरतापूर्वक हत्या का कैंपेन चला रहे हैं और उन्हें मौत के घाट उतार रहे हैं। बस्तर क्षेत्र के सात जिलों में से एक में तैनात एक आईपीएस ऑफिसर ने बताया कि नागरिकों की मौत पर लोगों के गुस्से का अब माओवादियों को कोई खौफ नहीं रह गया है।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया अस्पताल में भर्ती, 14 को हुई थी कोरोना की पुष्टि

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बुखार और ऑक्सीजन लेवल कम होने की शिकायत के बाद बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिसोदिया के 14 सितंबर को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बताया कि आप के 48 वर्षीय नेता को बुधवार को दिल्ली सरकार के लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिसोदिया ने कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद से होम आइसोलेशन में रहकर इलाज करा रहे थे। कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद मनीष सिसोदिया ने अपने ट्विटर अकाउंट पर इसकी पुष्टि करते हुए कहा था, मुझे हल्का बुखार होने के बाद अपना कोविड-19 टेस्ट कराया था।

चीनी कब्जे के खिलाफ नेपाल में सड़कों पर उतरे लोग

केपी ओली की नहीं खुल रही जुबान

काठमांडू। चीन के इशारे पर भारत विरोधी अजेंडे में जुटी नेपाल की केपी ओली सरकार को ड्रैगन ने ऐसा झटका दिया है कि वह कुछ बोल नहीं पा रही है। दूसरी तरफ जनता का आक्रोश अब फूट पड़ा है। नेपाल के हुमला में चीनी कब्जे और इमारतों के निर्माण की पुष्टि होने के बाद काठमांडू में लोग सड़कों पर उतर आए और चीन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला। हाथों में तख्तियां लिए लोगों ने बालूवाटर स्थित चीनी दूतावास के बाहर नारेबाजी की। नेपाली न्यूज वेबसाइट खबरहब के मुताबिक, आक्रोशित लोग सीमा अतिक्रमण रोका, अतिक्रमण की हुई नेपाली जमीन लौटाओ, नेपाल-चीन बॉर्डर का नाका खोलो, चीनी साम्राज्यवाद मुर्दाबाद जैसे नारे लगा रहे हैं। युवाओं की तख्तियों और बैनरों पर भी इस तरह के नारे लिखे हैं। इस बीच चीनी दूतावास के बाहर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर भी प्रदर्शन की तस्वीरें और वीडियो साझा किए जा रहे हैं और इसके साथ ही लोग चीनी अतिक्रमण के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं।

हाल ही में नेपाली मीडिया में खबर आई कि चीन ने हुम्ला जिले में नेपाली जमीन पर अतिक्रमण कर लिया है। चीन ने यहां बॉर्डर पिलर को हटाकर 11 इमारतों का निर्माण कर लिया है। इसके तुरंत बाद, हुमला के मुख्य जिला अधिकारी चिरंजीवी गिरि के नेतृत्व में एक दल सीमा पर एक वास्तविक साइट का अध्ययन करने भेजा गया। साइट पर एक अध्ययन करने के बाद टीम ने केंद्र को एक रिपोर्ट भेजी है।

कृषि संबंधी बिलों पर विपक्ष के प्रदर्शन के बीच

स्मृति ईरानी ने पूछा- क्यों हो रहा विरोध?

नई दिल्ली। संसद से पारित कृषि संबंधी तीन बिलों को लेकर जहां एक तरफ हरियाणा-पंजाब समेत देश के कई राज्यों के किसान आंदोलन कर रहे हैं तो वहीं विपक्षी दलों ने इसका सदन के अंदर से लेकर बाहर तक पुरजोर विरोध किया है। इस बीच, कांग्रेस सांसद और राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद ने इस बिल को लेकर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से बुधवार को शाम को मुलाकात की। इधर, विपक्ष के भारी विरोध के बाद केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सवाल किया है कि आखिर कृषि संबंधी बिलों पर इतना हो-हल्ला क्यों मचा है? उन्होंने कहा, ये बिल किसानों को अपने उत्पाद को स्वतंत्र रूप से व्यापार करने की अनुमति देता है। किसानों की जमीन को सुरक्षित करने के साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि व्यापारियों को अधिकतम तीन दिनों के अंदर किसानों को भुगतान करना होगा। फिर, क्यों विपक्ष इन बिलों का विरोध कर रहे हैं? स्मृति ईरानी ने कहा, कांग्रेस ने 10 वर्षों में स्वामीनाथन रिपोर्ट को लागू नहीं किया। मोदी सरकार ने रिपोर्ट को लागू किया और करीब ढाई गुणा ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्या दिया। किसान निधि योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से ज्यादा किसानों के खातों में 90 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का ट्रांसफर किया गया है। केन्द्रीय मंत्री ने आगे कहा, यह स्पष्ट है कि मोदी सरकार किसानों के कल्याण को लेकर संकल्पित है। हमें यह समझना होगा कि जब सरकार संसद में कुछ कहता है तो यह राष्ट्र की जनता के प्रति किया गया यह एक बड़ा वादा है। इधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद ने कृषि विधेयकों और ऊपरी सदन के आठ सांसदों के निलंबन के मुद्दों पर बुधवार को शाम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। विपक्ष की करीब 16 पार्टियों ने इन मुद्दों को लेकर राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा है। इससे पहले फैसला हुआ था कि कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर सदन में सदस्यों की संख्या के आधार पर पांच प्रमुख विपक्षी दलों ... कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तेलंगाना राष्ट्र समिति और द्रमुक के पांच प्रतिनिधि राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के लिए जाएंगे।

ड्रग्स मामले में एनसीबी का बड़ा एक्शन, दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और श्रद्धा कपूर को भेजा समन

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में सामने आए ड्रग्स कनेक्शन पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने बुधवार को बड़ा एक्शन लिया है। एजेंसी ने बॉलीवुड की कई टॉप एक्ट्रेस को समन भेजा है। एनसीबी ने दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और श्रद्धा कपूर को समन किया। इस मामले में एजेंसी पहले ही रिया चक्रवर्ती, शौविक समेत कई लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। इसके अलावा कई रिपोर्ट्स ने दावा किया कि टीवी एक्टर्स अबीगेल पांडे और सनम जौहर को एनसीबी ने समन भेजा गया है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक, 404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478, 7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

बिहार चुनाव से पहले महागठबंधन को लगेगा झटका?

एनडीए में शामिल हो सकते हैं उपेंद्र कुशवाहा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव सिर पर है, लेकिन महागठबंधन की मुश्किलें खत्म नहीं हो रही हैं। पहले तो कई मौजूदा विधायक जेडीयू में शामिल हो गए। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने भी महागठबंधन का दामन छोड़ दिया और एनडीए के पाले में चले गए। अब पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने संकेत दिया है कि राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (आरएलएसपी) महागठबंधन का साथ छोड़ सकती है। आरएलएसपी के महासचिव आनंद माधव ने कहा कि राजनीति संभावनाओं से भरी है। अगर महागठबंधन अनिर्णय की वर्तमान स्थिति से बाहर नहीं आता है तो हम बिहार के विकास के लिए अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने आगे कहा, गठबंधन में एक स्पष्टता की जरूरत होती है ताकि दलों के मन में कई भ्रम न रहे। हम चाहते हैं कि आरजेडी आगे आकर गठबंधन के दलों के साथ सभी मुद्दों पर चर्चा करे। अगर कोई कॉमन मिनिमम प्रोग्राम बनाना है तो यह एक-दो दिन का काम नहीं है। चुनाव की अधिसूचना किसी भी दिन जारी हो सकती है, लेकिन अभी तक कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के मुद्दे पर कोई बात नहीं हुई है। आनंद ने कहा कि आरएलएसपी ने कभी भी तेजस्वी यादव के नेतृत्व क्षमता पर संदेह नहीं जताया है, लेकिन महागठबंधन में चार-पांच दल हैं। सबके बीच सहमति होना आवश्यक है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से हमारे प्रयासों के बाद भी महागठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं है और यह दुखद है। कल हमारी पार्टी की राष्ट्रीय और राज्य कार्यकारिणी की बैठक है। हम वर्तमान स्थिति पर नेताओं के साथ बातचीत के बाद निर्णय लेंगे। हम अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव से पहले आरएलएसपी अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने छोटे दलों के प्रति बीजेपी के अहंकार का हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था और महागठबंधन में शामिल हो गए थे। 2014 लोकसभा चुनाव में एनडीए में रहते हुए आरएलएसपी को तीन सीटें मिली थीं और पार्टी ने तीनों पर जीत दर्ज की थी। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव में महागठबंधन का हिस्सा रहते हुए पार्टी को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली। बीजेपी एमएलसी और पूर्व केंद्रीय मंत्री संजय पासवान ने इस पूरे प्रकरण पर कहा कि उपेंद्र कुशवाहा का एनडीए ने हमेशा स्वागत किया है।

दतिया आबकारी पुलिस की बड़ी कार्यवाही जिले में मचा हड़कंप

दतिया से ग्वालियर संभागीय ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट

दतिया। गांव-गांव अवैध मदिरा विक्रय की शिकायत के संबंध में दिये गये ज्ञापन पर तत्काल संज्ञान लेते हुये विशेष दल का गठन कर सामूहिक दविश हेतु योजना बनाकर म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत अवैध मदिरा धारण, परिवहन, चैर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध आबकारी विभाग जिला दतिया द्वारा दिनांक 23.09.2020 को अवैध मदिरा अड्डों पर छापेमार कार्यवाही की गई। कलेक्टर महोदय दतिया श्री संजय कुमार के निर्देशन में एवं पुलिस अधीक्षक महोदय जिला दतिया श्री अमन राठौड़ के सहयोग से सुश्री निधि जैन, जिला आबकारी अधिकारी दतिया के नेतृत्व में आबकारी वृत्त सेंवढ़ा में स्थित ग्राम चीना बम्बा, थाना थरेट, तहसील सेंवढ़ा में आबकारी एवं पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से दविश दी गई। दौराने दविश मौके पर 6000 कि.ग्रा. गुड़ लाहन एवं 310 लीटर हाथ भट्टी शराब, अवैध मदिरा बनाने एवं संग्रहित किये जाने का सामान एवं 01 मोटर सायकिल जप्त की गई।

जिसमें आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत 05 प्रकरण एवं आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत 01 प्रकरण इस प्रकार कुल 06 प्रकरण श्रीमती रामवती कंजर पत्नि श्री कल्लू कंजर, श्रीमती हेमा पत्नि अमिताभ बच्चन, श्रीमती प्रियंका पत्नि रामदास एवं श्रीमती रूबी पत्नि विक्रम कंजर के विरूद्ध कायम किये गये। दल-बल को देखकर अड्डे से कुछ आरोपी भाग निकले। उक्त प्रकरणों में कुल जप्त शराब, अवैध मदिरा बनाने एवं संग्रहित किये जाने का सामान एवं वाहनों की कुल अनुमानित कीमत 4,11,000/- रूपये है। जब्त अवैध मदिरा के सैम्पल लिये जाकर न्यायिक विज्ञान, प्रयोगशाला में भेजने की कार्यवाही की जा रही है। दतिया में इस तरह के अवैध शराब के कोराबार पर अंकुश लगाने के लिये आबकारी विभाग समय-समय पर इस तरह की कार्यवाही करता रहेगा। इसके लिये जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उक्त कार्यवाही में जिला आबकारी अधिकारी दतिया सुश्री निधि जैन, थाना प्रभारी वाय. एस. तोमर, सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री के. एल. भगोरा एवं आबकारी उपनिरीक्षक श्री टी.आर. वर्मा, आबकारी उपनिरीक्षक श्री अनिरूद्ध खानविलकर, आबकारी मुख्य आरक्षक श्री शारदा प्रसाद तिवारी व आबकारी आरक्षक श्री संजय शर्मा, श्री प्रताप सिंह जाटव, श्री रवि विसारिया, श्री विकास पंकज, श्री मनीष यादव, श्री अवधेश भदौरिया, सहित आबकारी वाहन चालक श्री अनिल यादव, श्री अजय गौतम का सराहनीय योगदान रहा।

आयुषी जैन ने फ्री ओन लाइन कोचिंग क्लासेज के छात्र छात्राओं को परखा

करंट अफेयर्स और प्रीवियस पेपर और समाचार पत्र को पढ़ने का बताया तरीका

पुष्पांजली टुडे न्यूज़

श्योपुर मध्यप्रदेश के विदिशा जिले की सिरोंज तहसील से 41 रैंक से चयनित आईएएस आयुषी जैन ने कहा है कि एक छात्र एक ही समाचार पत्र को ध्यान से पढे और वर्तमान घटनाओं को सिलेबस के अनुसार जोड़े तथा अपने सहपाठियों के साथ नोलेज को एक्सचेंज भी करे। उन्होंने कहा कि समाचार पत्र को पीछे से पढ़ें, खेल पृष्ठ पर खेल से संबंधित महत्वपूर्ण व्यक्ति, फिर एडिटोरियल पढे, फिर प्रथम पृष्ठ को ध्यान से और रविवार के अंग्रेजी समाचार पत्र में छोटी छोटी कहानी होती है जो मुख्य परीक्षा का आंसर लिखने में काफी हेल्पफुल होती है। डायग्राम फ्लोचार्ट बनाए और हस्तलिखित नोट्स जरूर बनाए। नोट्स पहली बार में नहीं बनाए मतलब शुरुआत में पढे और समझने की कोशिश करे, फिर बनाए नोट्स। कुछ छात्र छात्राओं के आप्शनल के चुनाव से लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि वह विषय चुनो, जिसका सिलेबस कम हो तथा आसानी से स्टडी मटेरियल उपलब्ध हो और उसको समझाने

वाले शिक्षक हो और खुद को समझने में आसानी हो। उन्होंने कहा मुख्य परीक्षा की सफलता में आप्शनल बहुत अधिक मदद करता है यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव है। क्योंकि मेरी सफलता मे मेरे आप्शनल एंथ्रोपोलोजी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस दौरान निःशुल्क ओन लाइन कोचिंग क्लासेज के डायरेक्टर एवं समन्वय परीक्षित भारती, रीवा से भूगोल विशेषज्ञ विकास सोनी और इंदौर से एमबीए राहुल मालवीया और श्योपुर से संदीप सिंह और अंग्रेजी माध्यम के छात्र छात्राएं जो मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के शामिल थे।

41 रैंक से सफल आयुषी जैन ने कहा कि तैयारी की वजह होना चाहिए जो विपरीत परिस्थितियों से बाहर लाने में कारगर होती है जैसा कि मैं कार्पोरेट सेक्टर से थी तो मैने सोचा कि समाज को ज्यादा देना है और उसके लिए आईएएस बनना जरूरी है। फिर ईमानदारी से कोशिश की सफल भी हुई। उन्होंने छात्र छात्राओं के प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब दिए। इस दौरान राहुल मालवीय ने छात्र छात्राओं की ओर सवाल आयुषी जैन से समक्ष रखे और अतिथि ने सटीक जवाब देकर छात्र छात्राओं को लाभान्वित किया। हमारी ओन लाइन निःशुल्क कोचिंग क्लासेज सुबह 10 बजे से 12 बजे तक और सायं 4 बजे से सायं 6 बजे तक हिंदी माध्यम में चल रही है। इसी तरह से 05 सितंबर से अंग्रेजी माध्यम का बेच रात 8 बजे 9 बजे तक निरन्तर चल रहा है। इस पर जुडने के लिए संदीप सिंह 9329059538 पर संपर्क कर सकते हैं।

एमपीसीसीआई ने किया हार्दिक आभार व्यक्त

गारबेज शुल्क को स्थगित किए जाने, नामांतरण शुल्क की राशि रु. दो हजार किए जाने एवं मिल्क पार्लर की स्थापना में 45 हजार की रियायत दिए जाने पर ऊर्जा मंत्री-माननीय श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित प्रदेश के मुख्यमंत्री-माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री-श्री भूपेन्द्र सिंह, सांसदद्वय, श्रीमंत ज्योतिरादित्य जी सिंधिया एवं श्री विवेकनारायण शेजवलकर के प्रति एमपीसीसीआई ने किया हार्दिक आभार व्यक्त

ग्वालियर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री-माननीय श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के प्रति आज एमपीसीसीआई के पदाधिकारियों ने 'चेम्बर भवन' में पुष्प गुच्छ भेंट कर, हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। ज्ञात रहे, माननीय ऊर्जा मंत्री-श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर जी ने शनिवार, 19 सितम्बर को आयोजित एक बैठक में प्रशासक, नगर-निगम, ग्वालियर को गारबेज शुल्क की वसूली को रोककर, 'सम्पत्ति कर' बिना गारबेज शुल्क के जमा होने के निर्णय के साथ कमेटी बनाए जाने एवं कमेटी उसका निर्णय करेगी के साथ, नामांतरण शुल्क की राशि 5000/- के स्थान पर केवल रु. 2000/- लिए जाने सहित मिल्क पार्लर को स्थान देने पर रु. 50 हजार के स्थान पर मात्र 5000/- की राशि लिए जाने हेतु निर्देशित किया गया था।

अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल व कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने कहा है कि माननीय ऊर्जा मंत्री, म. प्र. शासन की पहल के फलस्वरूप ही नगर-निगम, ग्वालियर द्वारा गारबेज शुल्क की वसूली को स्थगित किए जाने एवं इसके प्रावधानों पर विचार हेतु समिति का गठन किए जाने सहित नामांतरण शुल्क की राशि को घटाकर रु. 2000/- किए जाने के निर्णय से शहरवासियों को काफी राहत मिलेगी। साथ ही, मिल्क

पार्लर की स्थापना हेतु शुल्क में रु. 45 हजार की कमी से लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। माननीय ऊर्जा मंत्री जी से चर्चा में उनका ध्यान, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने इस और दिलाया कि आजकल में जो शहरवासी सम्पत्ति कर जमा करने गए, उन्होंने कम्प्यूटर में सम्पत्ति कर के साथ गारबेज शुल्क भी दर्शाए जाने की बात कही है। इस पर माननीय मंत्री जी ने कहाकि एक-दो दिन के अन्दर कम्प्यूटर में केवल सम्पत्ति कर की राशि ही दिखाई देगी और गारबेज शुल्क की राशि नहीं प्रदर्शित होगी, इस बात का आपने एमपीसीसीआई को आश्वासन दिया। पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री-माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, ऊर्जा मंत्री-माननीय श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री-श्री भूपेन्द्र सिंह, सांसदद्वय-श्रीमंत ज्योतिरादित्य जी सिंधिया एवं माननीय श्री विवेकनारायण शेजवलकर के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए आशा व्यक्त की है कि आप सभी के परम् सहयोग से राज्य सरकार का आशीर्वाद शहरवासियों को इसी भांति सदैव प्राप्त होता रहेगा।

एमपीसीसीआई के प्रयासों को मिली सफलता

ग्वालियर। म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एमपीसीसीआई) के प्रयासों से अब गैर घरेलू उपभोक्ता एग्रीमेंट अवधि के बाद अपने स्वीकृत भार में कमी करवा सकेंगे, जिस पर विद्युत वितरण कंपनी ने रोक लगाई थी7 इस पर आपत्ति करते हुए एमपीसीसीआई ने मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं ऊर्जा सचिव-श्री आकाश त्रिपाठी को पत्र प्रेषित किया गया था7 एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि गैर घेरलू उपभोक्ता एग्रीमेंट अवधि के बाद अपने स्वीकृत भार में कमी करवा सकेंगे7 ऊर्जा सचिव मध्यप्रदेश शासन द्वारा 21.08.2020 को एक आदेश जारी किया गया था जिस पर एमपीसीसीआई द्वारा आपत्ति करते हुए दिनांक 19 सितम्बर,2020 को एक पत्र मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं ऊर्जा सचिव-श्री आकाश त्रिपाठी को प्रेषित कर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद ऊर्जा विभाग द्वारा दिनांक 21.09.2020 को अपने आदेश में संशोधन कर दिया है7 (पत्र की प्रति संलग्न है7 गैर घरेलू उपभोक्ताओं को राहत दिये जाने पर एमपीसीसीआई के पदाधिकारियों द्वारा मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर जी का आभार व्यक्त किया है।

आगरा से एक प्रतिनिधि मंडल बाल्मीकि शक्ति युवा मंच हाथरस पीड़ित परिवार का साहस बढ़ाने पहुंचा

पुष्पांजली टुडे न्यूज़
आगरा से राहुल कुमार की रिपोर्ट

आगरा से एक प्रतिनिधि मंडल बाल्मीकि शक्ति युवा मंच हाथरस पीड़ित परिवार का साहस बढ़ाने पहुंचा। वाल्मीकि शक्ति युवा मंच के राष्ट्रीयअध्यक्ष बॉबी लाले , संस्थापक बबलू भाटिया, हाथरस कांड पीड़ित वाल्मीकि समाज की बहन मनिषा को

इंसाफ दिलाने के लिए हाथरस जाकर पीड़ित परिवार को साहस बढाया और उन्हें आश्वासन दिया की आज के वक्त में पूरा वाल्मीकि समाज आप के साथ है चाहे वो किसी भी संगठन से आज हम सब सिर्फ और सिर्फ अपनी बहन को इंसाफ दिलाने की आवाज बुलंद कर रहे है। जिला अध्यक्ष राजकुमार कडैरै, महानगर अध्यक्ष दिनेश डगोर, जिला उपाध्यक्ष संजय ओचिया, जिला महामंत्री दिलीप चोटिला, अमित कुमार।

2 लाख रूपये की अनुग्रह सहायता राशि

कल्याणी श्रीमती मुन्नी देवी को संबल प्रदान करेगी

मुरैना। 2 लाख रूपये की अनुग्रह सहायता राशि कल्याणी श्रीमती मुन्नी देवी को संबल प्रदान करेंगी। श्रीमती मुन्नी देवी को 2 लाख रूपये का चैक बुधवार को गरीब कल्याण पखवाड़े के अन्तर्गत मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के तहत आयोजित अनुग्रह सहायता राशि वितरण ''आपदा संबल, आपकी सरकार'' कार्यक्रम के दौरान प्राप्त हुआ। वार्ड क्रमांक 5 उत्तमपुरा की रहने वाली कल्याणी श्रीमती मुन्नी देवी ने बताया कि पति भागीरथ का निधन बीमारी के कारण हो गया था। मुझे आज 2 लाख रूपये की राशि उनके निधन पर अनुग्रह सहायता के रूप में मिली है। यह राशि मेरे जीवन में संबल प्रदान करेंगी। मौके पर मुन्नी देवी के ज्येष्ठ पुत्र अजय ने बताया कि पिता स्व. श्री भागीरथ का निधन बीमारी के कारण हो गया

है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 2 लाख रूपये अनुग्रह राशि प्रदान करके बहुत बड़ा सहयोग दिया है। अजय ने बताया कि मैं शादी-पार्टियों में चाट का कारोबार करता हूं। मुझे प्रतिदिन लगभग 500 रूपये की इनकम हो जाती है। संबल योजना के तहत प्राप्त 2 लाख रूपये की राशि से घर में ही किराने की दुकान खोलकर मैं और मेरी माता जी चलायेंगी। दो बहनों की शादी पिता जी कर गये है।

डाक मतपत्र से मत देने के लिये इन्हें मिलेगा अधिकार

मुरैना। भारत निर्वाचन आयोग के नवीन निर्देशानुसार अनुपस्थित मतदाता की श्रेणी के अंतर्गत निम्न श्रेणी को डाक मतपत्र से मत देने के लिये शामिल किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा ने वरिष्ठ नागरिक (80 वर्ष से अधिक आयु के निर्वाचक), निर्वाचक नामावलियों के डाटाबेस में चिन्हांकित शारीरिक निःशक्तता वाले निर्वाचक और सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित कोविड-19 के संदिग्ध या उससे प्रभावित व्यक्ति।

डॉ. सिकरवार ने तीन परिवारों को हजारों की आर्थिक सहायता प्रदान की

ग्वालियर। कॉग्रेस के वरिश्ठ नेता एवं जन उत्थान न्यास अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने तीन परिवारों को हजारों रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। डॉ. सिकरवार ने भगवान सिंह जाटव निवासी वार्ड 23 श्रीनगर कॉलोनी के घर में सिलेंडर फ्टने पर 11 हजार रूपये की आर्थिक सहायता, संतराम जाटव निवासी वार्ड 28 भीमनगर के निधन पर पुत्र को 10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता एवं राहुल झा निवासी पत्तल वाली गली गुब्बारा फाटक के निधन पर पिता ष्याम झा को 10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। नगर निगम के वार्ड 23 के श्रीनगर कॉलोनी में कल मंगलवार को भगवान सिंह जाटव के घर पर सिलेंडर फ्टने से आग लग गई थी। आगजनी में भागवान सिंह के घर में रखा गृहस्थी के सामान में आग लग गई, भागवान सिंह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोशण करता है। जब इस घटना की जानकारी डॉ. सिकरवार को मिली तो वह तुरन्त भगवान सिंह के

घर पहुँचे और 11 हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। गत् दिवस ष्याम झा निवासी वार्ड 45 पत्तल वाली गली गुब्बारा फाटक के पुत्र राहुल झा की दम घुटने से निधन हो गया था, राहुल अपने पिता के साथ मजदूरी करता था और अपने परिवार का भरण पोशण करता था। इसी क्रमषः में गत् दिवस संतराम जाटव निवासी वार्ड 28 भीमनगर का लम्बी बीमारी के चलते निधन हो गया था, संतराम रंगाई-पुताई का काम करता था और अपने परिवार में अकेला कमाने वाला था। जब इन दोनो घटनाओं की जानकारी डॉ. सिकरवार को मिली तो वह संतराम एवं राहुल झा के निवास पर पहुँचे और षोक संवेदना व्यक्त की साथ ही दोनो परिवारों को 10-10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस मौके पर डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने कहा कि न्यास का हर संभव प्रयास रहता है कि गरीब, पीडित, षोशित वर्ग की भलाई के लिए अग्रणी भूमिका निभाई जाये और उसमें न्यास सफ्ल भी रहा है। जब भी इन वर्गों को चाहे पारिवारिक विवाह का कार्यक्रम हो, चाहे बीमार पीडित हो सभी वर्गों का सहयोग किया जा रहा है। हमारी संस्था गरीबों की भलाई करने में कभी पीछे नहीं रहती है। डॉ. सिकरवार ने तीनों परिवारों को सहायता राषि प्रदान करते हुये भरोसा दिलाया कि आपका भाई आपकी सेवा के लिए जीवन भर सर्म्पित रहेगा। इस मौके पर डॉ. सिकरवार के साथ पूर्व उपनेता प्रतिपक्ष नगर निगम चर्तुभुज धनौलिया, सुनील रमपुरिया, डब्बू खान, जावेद खान आदि मौजूद रहे।

संसाधनों का समान वितरण कर जरूरतमंदों को सहारा देती है संबल योजना।

मुरैना। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार गरीबों के कल्याण को सर्वोपरि मानती है। संसाधनों का समान वितरण कर जरूरतमंद गरीबों को सहारा देने वाली संबल जैसी व्यावहारिक योजना को पूर्व सरकार ने बंद कर दिया था। जन्म के पूर्व से लेकर असामयिक मृत्यु की स्थिति में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने वाली संबल योजना पर निरंतर अमल किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज मिंटो हाल भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में संबल योजना के 3700 हितग्राहियों के खाते में 80 करोड़ की अनुग्रह राशि का अंतरण किया।

तीन साल में मिलेगा सभी को पक्का मकान- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संबल संसाधनों के समान वितरण की योजना है। यह योजना गरीबों के लिए बहुत बड़ा सहारा बनी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पूर्व सरकार ने मुँह का निवाला भी छीन लिया था। गर्भवती बहनों के पोषण में उपयोगी लड्डू से उन्हें वंचित कर दिया गया था। पूर्व सरकार के इशारे पर योजना बंद हो गई थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आने वाले तीन साल में सभी को पक्का मकान मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा हितग्राहियों से चर्चा के दौरान उन्हें संबल योजना के लाभ बताए और आश्वासन दिया कि आप लोग कभी चिंता न करना। यह योजना चालू रहेगी और आप लोगों को इसका लाभ मिलता रहेगा।

प्रदेश लौटे प्रवासी श्रमिकों को संबल से जोड़ा जाएगा- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वर्तमान में जो हितग्राही योजना के लाभ से वंचित हैं उन्हें भी इसका लाभ दिलवाया जाएगा। जो प्रवासी श्रमिक कोविड-19 की समस्या के कारण प्रदेश में लौटे उन्हें भी संबल से जोड़ा जाएगा। इन श्रमिकों को भवन संनिर्माण कर्मकार मंडल से जोड़कर भी लाभान्वित किया जाएगा। इन श्रमिकों के बच्चों के लिए निरूशुल्क पढ़ाई की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह वास्तविकता है कि जिस परिवार में कोई दुरूखद घटना होती है, कुछ दिन सभी लोग सहानभूति व्यक्त करते हैं। वास्तविक पीड़ा प्रभावित व्यक्ति ही महसूस कर सकता है। ऐसे लोगों को सरकार से आर्थिक सहायता मिलना ही चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गरीबों की योजना संबल के क्रियान्वयन के लिए धनराशि की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज जिन हितग्राहियों को योजना का लाभ मिला है, वे आत्मनिर्भर हो सकेंगे।

बाइस जिलों में 308 स्थानों पर मना कार्यक्रम- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना में 22 जिलों के हितग्राहियों के खाते में 80 करोड़ रूपये की सहायता राशि ऑनलाईन अंतरित की। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के साथ प्रथम चरण में 22 जिलों के 308 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संबल योजना की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित करने के बाद हितग्राहियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के प्रथम

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हितग्राहियों को दी सहायता राशि संवाद भी किया, आपका संबल-आपकी सरकार, हितग्राहियों के खाते में अंतरित किए 80 करोड़ रुपये

चरण में सागर, छतरपुर, पन्ना, शिवपुरी, ग्वालियर, अशोकनगर, गुना, दतिया, भिण्ड, मुरैना, इंदौर, खण्डवा, बुरहानपुर, धार, रायसेन, राजगढ़ विदिशा, अनूपपुर, आगर, मंदसौर, देवास और भोपाल के प्रत्येक जनपद पंचायत, नगर पालिका निगम, नगर पालिका परिषद्, नगर पंचायत मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर कोविड-19 संबंधी दिशा निर्देशों का पालन किया गया। कार्यक्रम में सीमित हितग्राहियों की उपस्थिति थी। इन कार्यक्रम स्थलों पर मुख्यमंत्री श्री चौहान के प्रसारण के लिए एल.ई.डी. स्क्रीन की व्यवस्था भी की गई थी। कार्यक्रम के प्रसारण के लिए एन.आई.सी. द्वारा नेट लिंक प्रदान किया गया था। कार्यक्रम का संचालन प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव ने किया। कार्यक्रम में खनिज साधन, श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह और पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुम्मकड़ एवं अर्द्धघुम्मकड़ जनजाति कल्याण एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री राम खेलावन पटेल भी उपस्थित थे। इसके अलावा विभिन्न जिलों से अन्य मंत्रीगण और विधायक भी इस कार्यक्रम से जुड़े। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संबल योजना के अंतर्गत हितलाभ वितरण कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंसिंग द्वारा मंदसौर, गुना, सागर, रायसेन और भिंड के हितग्राहियों से बातचीत भी की।

हर हाल में जारी रखना संबल योजना- मंदसौर के ग्राम नाटाराम की श्रीमती लीलाबाई बागरी ने मुख्यमंत्री श्री चौहान से कहा कि संबल योजना को हरहाल में जारी रखना। श्रीमती लीला बाई के पति मजदूरी करते थे। बीमारी के कारण उनकी असामयिक मृत्यु हो गई थी। संबल योजना के अंतर्गत श्रीमती लीला बाई को दो लाख रुपये की सहायता मिली। श्रीमती लीला बाई ने मुख्यमंत्री को बताया कि इससे बंजर खेत को सुधारने की योजना है। साथ ही बकरी पालन भी शुरु करने का विचार है। उन्होंने कहा कि मुसीबत के समय मिली सहायता से बेटों की पढ़ाई की चिंता दूर हुई है।

जाने वाले की कमी दूर नहीं होती पर संबल बनी सहारा- मंदसौर की ग्राम पंचायत गोवर्धनपुरा की श्रीमती श्यामू बाई सेन ने मुख्यमंत्री श्री चौहान से कहा कि जाने वाले की कमी पूरी नहीं होती पर संबल ने सहारा दिया है। श्रीमती श्यामू बाई के पति की सूरत में दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। संबल के अंतर्गत उन्हें चार लाख रुपये की सहायता मिली। उन्होंने कहा कि इस सहायता से किराना दुकान आरंभ करने की योजना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्रीमती श्यामू बाई को हिम्मत बढ़ाते हुए कहा कि बच्चों की पढ़ाई की फीस सरकार भरेगी। तुम बच्चों को पढ़ाना जरूर।

चिंता नहीं करना भाई साथ है- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गुना की श्रीमती सुमेला बाई भील से कहा कि चिंता नहीं करना। भाई साथ है। मिलकर मुसीबत से निकलेंगे। सुमेला के पति का बीमारी से निधन हो गया था। उन्हें दो लाख रुपये की सहायता मिली इससे वे रेडीमेड कपड़े की दुकान शुरु कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने सुमेला को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी रेडीमेड की बहुत मांग है।

हिम्मत नहीं हारना सीमा- सागर की श्रीमती सीमा अहिरवार के पति की मृत्यु टायफाइड के कारण हो गई थी। वे कृषक मजदूर थे। सीमा को दो लाख रुपये की सहायता मिली है। इससे वे सिलाई मशीन खरीद कर सिलाई का काम शुरु करने की योजना बना रहीं हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सीमा से घर के बारे में जानकारी ली और कहा कि बस हिम्मत मत हारना सरकार हर कदम पर तुम्हारे साथ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रायसेन की श्रीमती साधना बाई से भी बात की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा भोपाल की श्रीमती जायदा बी, श्रीमती सीता नागर, श्रीमती रेखा बाई, श्री सुहागमल, श्री सोमू गुर्जर और श्री प्यारे सिंह को हितलाभ वितरण प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया।

संसाधनों का समान वितरण कर जरूरतमंदों को सहारा देती है संबल योजना

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार गरीबों के कल्याण को सर्वोपरि मानती है। संसाधनों का समान वितरण कर जरूरतमंद गरीबों को सहारा देने वाली संबल जैसी व्यावहारिक योजना को पूर्व सरकार ने बंद कर दिया था। जन्म के पूर्व से लेकर असामयिक मृत्यु की स्थिति में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने वाली संबल योजना पर निरंतर अमल किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज मिंटो हाल भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में संबल योजना के 3700 हितग्राहियों के खाते में 80 करोड़ की अनुग्रह राशि का अंतरण किया।

तीन साल में मिलेगा सभी को पक्का मकान–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संबल संसाधनों के समान वितरण की योजना है। यह योजना गरीबों के लिए बहुत बड़ा सहारा बनी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पूर्व सरकार ने मुँह का निवाला भी छीन लिया था। गर्भवती बहनों के पोषण में उपयोगी लड्डू से उन्हें वंचित कर दिया गया था। पूर्व सरकार के इशारे पर योजना बंद हो गई थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आने वाले तीन साल में सभी को पक्का मकान मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा हितग्राहियों से चर्चा के दौरान उन्हें संबल योजना के लाभ बताए और आश्वासन दिया कि आप लोग कभी चिंता न करना। यह योजना चालू रहेगी और आप लोगों को इसका लाभ मिलता रहेगा।

प्रदेश लौटे प्रवासी श्रमिकों को संबल से जोड़ा जाएगा–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वर्तमान में जो हितग्राही योजना के लाभ से वंचित हैं उन्हें भी इसका लाभ दिलवाया जाएगा। जो प्रवासी श्रमिक कोविड-19 की समस्या के कारण प्रदेश में लौटे उन्हें भी संबल से जोड़ा जाएगा। इन श्रमिकों को भवन संनिर्माण कर्मकार मंडल से जोड़कर भी लाभान्वित किया जाएगा। इन श्रमिकों के बच्चों के लिए निःशुल्क पढ़ाई की व्यवस्था की जाएगी। सहायता मिलना ही चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गरीबों की योजना संबल के क्रियान्वयन के लिए धनराशि की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हितग्राहियों को दी सहायता राशि, संवाद भी किया
आपका संबल-आपकी सरकार
हितग्राहियों के खाते में अंतरित किए 80 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह वास्तविकता है कि जिस परिवार में कोई दुःखद घटना होती है, कुछ दिन सभी लोग सहानभूति व्यक्त करते हैं। वास्तविक पीड़ा प्रभावित व्यक्ति ही महसूस कर सकता है। ऐसे लोगों को सरकार से आर्थिक मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज जिन हितग्राहियों को योजना का लाभ मिला है, वे आत्मनिर्भर हो सकेंगे।

बाइस जिलों में 308 स्थानों पर मना कार्यक्रम–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना में 22 जिलों के हितग्राहियों के खाते में 80 करोड़ रूपये की सहायता राशि ऑनलाईन अंतरित की। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के साथ प्रथम चरण में 22 जिलों के 308 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संबल योजना की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित करने के बाद हितग्राहियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के प्रथम चरण में सागर, छतरपुर, पन्ना, शिवपुरी, ग्वालियर, अशोकनगर, गुना, दतिया, भिण्ड, मुरैना, इंदौर, खण्डवा, बुरहानपुर, धार, रायसेन, राजगढ़ विदिशा, अनूपपुर, आगर, मंदसौर, देवास और भोपाल के प्रत्येक जनपद पंचायत, नगर पालिका निगम, नगर पालिका परिषद्, नगर पंचायत मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर कोविड-19 संबंधी दिशा निर्देशों का पालन किया गया। कार्यक्रम में सीमित हितग्राहियों की उपस्थिति थी। इन कार्यक्रम स्थलों पर मुख्यमंत्री श्री चौहान के प्रसारण के लिए एल.ई.डी. स्क्रीन की व्यवस्था भी की गई थी। कार्यक्रम के प्रसारण के लिए एन.आई.सी. द्वारा नेट लिंक प्रदान किया गया था। कार्यक्रम का संचालन प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव ने किया। कार्यक्रम में खनिज साधन, श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह और पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुम्मकड़ एवं अर्द्धघुम्मकड़ जनजाति कल्याण एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री राम खेलावन पटेल भी उपस्थित थे। इसके अलावा विभिन्न जिलों से अन्य मंत्रीगण और विधायक भी इस कार्यक्रम से जुड़े।

शासकीय विभागों में रिक्त पद भरने के लिए तत्काल प्रक्रिया प्रारंभ करें : मुख्यमंत्री श्री चौहान

लगभग 25 हजार पदों पर होगी भर्ती

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गृह, राजस्व, लोक निर्माण, जेल, शिक्षा और अन्य विभागों में रिक्त पदों को भरने की कार्रवाई तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। शिक्षकों के लगभग 15 हजार और अन्य विभागों के 10 हजार पद मिलाकर लगभग 25 हजार पदों के लिए भर्ती अनुमानित है। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जनकल्याणकारी कार्यों के सुचारू संचालन के लिए विभागों में खाली पड़े पदों को भरने की कार्यवाही पूर्ण की जाए। इस संबंध में प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, लोक सेवा आयोग और विभागीय स्तर पर की जाने वाली कार्यवाही संपादित की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पदों की भर्ती के संबंध में विभागीय स्तर पर भी समीक्षा कर समग्र रूप से संपूर्ण प्रक्रिया अपनाए जाने के निर्देश दिए।

भर्ती में नियम प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित किया जाए–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि रिक्त पदों की पूर्ति के संबंध में आवश्यक नियमों और प्रक्रियाओं के पालन का ध्यान रखते हुए प्रक्रिया पूरी की जाए। एक अनुमान के अनुसार करीब 10 हजार पदों के लिए पीईबी द्वारा आगामी महीनों में परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इन पदों में गृह विभाग के अंतर्गत पुलिस आरक्षक के 3272 पद, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी और वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के 863 पद, गृह विभाग में आरक्षक रेडियो संवर्ग के 493 पद, राजस्व निरीक्षक के 372 पद, कौशल संचालनालय में आईटीआई प्रशिक्षण अधिकारी के 302 पद शामिल हैं। इसके अलावा विभिन्न विभागों में शीघ्र लेखक, सहायक ग्रेड-3, स्टेनो टायपिस्ट, स्टेनोग्राफर, डाटा एंट्री ऑपरेटर, सांख्यिकी अधिकारी और भृत्य, चौकीदार, वार्ड बाय, क्लीनर, वाटरमेन कुक जैसे पदों की भर्ती की जाएगी।

परीक्षाओं के आयोजन की तैयारी जारी–बैठक में बताया गया कि प्राथमिक शाला शिक्षक पात्रता परीक्षा दिसम्बर 2020 में प्रस्तावित है। । वर्तमान में पीईबी की ओर से तकनीकी शिक्षा संचालनालय, पशुपालन विभाग और कृषि विभाग की विभिन्न परीक्षाओं के आयोजन की तैयारी भी की जा रही है। ये परीक्षाएं अकादमिक सत्र के अनुसार अक्टूबर और नवम्बर 2020 में प्रस्तावित हैं। इन पदों के लिए बड़ी संख्या में आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। सिर्फ शिक्षकों के लिए ही 6.57 लाख आवेदन-पत्र इस वर्ष प्राप्त हुए हैं। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री मनीष रस्तोगी, आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी, पीएम किसान योजना के लाभार्थियों को मिलेंगे सालाना 10 हजार रुपए

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उपचुनाव से पहले राज्य के किसानों के लिए बड़ी घोषणा की है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अब राज्य सरकार भी पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत लाभार्थी किसानों को सालाना 4 हजार रुपए देगी। चौहान ने यह भी कहा कि वह 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए प्रभावी कदम उठाएंगे। मुख्यमंत्री की इस घोषणा के बाद पीएम सम्मान निधिन योजना के लाभार्थी राज्य के 80 लाख किसानों को अब सालाना 10 हजार रुपए की सहायता मिलेगी। केंद्र सरकार की ओर से किसानों को सालाना छह हजार रुपए दिए जाते हैं और राज्य सरकार सालाना 4 हजार रुपए देगी। केंद्र सरकार की ओर से 2 हजार रुपए की तीन किस्तें किसानों को दी जाती हैं, जबकि राज्य सरकार हर छह महीने पर 2 हजार रुपए उनके बैंक खातों में भेजेगी। भोपाल में किसानों के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की शुरुआत की जा रही है।

3 हजार से अधिक शिकायतों का मौके पर निराकरण

300 शिकायत निवारण शिविर में हुआ शिकायतों का समाधान

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के अंतर्गत कंपनी द्वारा सितंबर माह के प्रथम पखबाड़े में उपभोक्ता शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए आयोजित 300 शिकायत निवारण शिविरों में 3 हजार 795 शिकायतें प्राप्त हुई। इनमें से 3 हजार 377 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। शेष शिकायतों के निराकरण की कार्यवाही की जा रही है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि बिजली शिकायतों के निराकरण के लिए बिजली वितरण कंपनियां संवेदनशील हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से कहा कि बिजली की मैदानी शिकायतों के हल के लिए ग्रामीण क्षेत्र में हाट बाजार और वितरण केंद्रों पर शिकायतों को हल करने की योजना को प्रत्येक माह अमल में लाया जाएगा।

शिकायत निवारण शिविरों में मुख्यतः विलंब से बिलों का वितरण, बिल प्राप्त न होना, अधिक बिल राशि, मीटर वाचन देरी से होना, गलत रीडिंग होना, ऑनलाइन बिल जनरेट न होना, ऑनलाइन की गई पेमेंट न दिखना, विद्युत प्रदाय, नवीन कनेक्शन, भार वृद्धि से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल रीजन के अंतर्गत 185 शिविरों में कुल 2 हजार 498 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 2 हजार 320 शिकायतों का मौके पर निराकरण कर दिया गया। ग्वालियर रीजन के अंतर्गत 115 शिविरों में कुल 1 हजार 297 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 1 हजार 57 शिकायतों को मौके पर ही निराकृत कर दिया गया तथा शेष शिकायतों का निराकरण जल्दी ही कर लिया जाएगा। गौरतलब है कि इन शिकायत निवारण शिविरों में अधिक बिल राशि की 1 हजार 527, बिल प्राप्त न होने की 214, गलत रीडिंग की 444, नवीन कनेक्शन की 210, भार वृद्धि की 96, विद्युत प्रदाय की 202, देरी से रीडिंग की 17, रीडिंग नहीं लेने की 63, ऑनलाइन संबंधी 47 एवं अन्य 882 शिकायतें प्राप्त हुई जिन्हें मौके पर ही हल कर दिया गया। साथ ही 322 कनेक्शनों की 15 लाख 93 हजार की बकाया राजस्व वसूली भी की गई। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री विशेष गढ़पाले ने घरेलू, गैर घरेलू एवं अन्य श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं से कहा है कि वे नज़दीकी वितरण केन्द्र अथवा शहरी जोन में जाकर अपनी बिजली शिकायतों का निराकरण करा सकते हैं।

उपचुनाव से पहले ट्रांसफर-पोस्टिंग, 16 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

भोपाल। मध्य प्रदेश में उपचुनाव की तारीखों की घोषणा की संभावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार ने मंगलवार देर रात 16 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। इसमें सागर और ग्वालियर संभाग के कमिश्नर भी शामिल हैं, जो इसी माह रिटायर होने वाले थे। इन दोनों संभागों में उपचुनाव होना है। इसके साथ ही जबलपुर के कमिश्नर महेशचंद्र चौधरी का भी तबादला किया गया है। चौधरी भी इस माह में ही रिटायर हो रहे हैं। विदेश में ट्रेनिंग से लौटीं षणमुख प्रिया मिश्रा और गणेश शंकर मिश्रा की पोस्टिंग कर दी गई है। सामाजिक न्याय विभाग के प्रमुख सचिव प्रतीक हजेला को आयुष का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। गणेश शंकर मिश्रा के पदभार संभालने के बाद अमित राठौर संचालक, संस्थागत वित्त के प्रभार से मुक्त होंगे।

विश्वविद्यालय ने पत्रकारिता पाठ्यक्रम के विवादास्पद पर्चे को दी क्लीन चिट

इंदौर। मध्यप्रदेश सरकार के इंदौर स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) ने पत्रकारिता के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के एक विवादास्पद पर्चे की जांच के बाद इसे मंगलवार को क्लीन चिट दे दी। कांग्रेस ने यह आरोप लगाते हुए इस पर्चे को रद्द करने की मांग की थी कि इसमें सत्तारूढ़ भाजपा के पक्ष में सवाल किए गए हैं। ये सवाल मास्टर ऑफ जर्नलिज्म (एमजे) की सालाना परीक्षा में विविध राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मसलों का विश्लेषण विषय के पर्चे में पूछे गए थे। यह पर्चा परीक्षाओं की ओपन बुक प्रणाली के तहत डीएवीवी की वेबसाइट पर 14 सितंबर को अपलोड किया गया था। डीएवीवी के परीक्षा नियंत्रक अशेष तिवारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, इस पर्चे के कुछ सवालों पर आपत्तियां सामने आने के बाद हमने यह मामला जांच के लिए तीन सदस्यीय परीक्षा समिति को भेज दिया था। इस समिति की पेश रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्चे में कुछ भी बदलाव करने की जरूरत नहीं है क्योंकि इसके सारे सवाल पाठ्यक्रम के दायरे में ही थे।

मध्य प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 99 साल के लिए स्थायी पट्टे पर दी जाएगी सरकारी जमीन

भोपाल। मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार प्रदेश भर में शहरी क्षेत्रों में सरकारी जमीन (नजूल भूमि) पर काबिज लोगों को 99 साल के लिए स्थायी पट्टे देगी। सरकार 53 साल बाद नजूल भूमि के नियम बदलने जा रही है। इसके लिए हर जिले में कलेक्टर, संभाग में कमिश्नर और राजधानी भोपाल में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति बनाई जाएंगी। नजूल भूमि का पूरा ब्योरा एक क्लिक में ऑनलाइन देखा जा सकेगा। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कैबिनेट की बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि गौशालाओं के लिए 10 एकड़ तक नजूल की जमीन एक रुपए सालाना लाइसेंस फीस पर दी जाएगी। राज्य सरकार 2020 नजूल भूमि निवर्तन निर्देश लागू करने जा रही है। मिश्रा ने बैठक में बताया कि 50 साल बाद नगरीय क्षेत्रों की शासकीय भूमि के धारकों को भू अधिकार पत्र देकर उन्हें स्वामित्व दिया जाएगा। नजूल निवर्तन निर्देश दिया गया गया है। वर्तमान में नगरीय क्षेत्रों में नजूल भूमि, आबादी भूमि धारणा अधिकार सुनिश्चित एवं राजस्व वसूली के लिए कोई भूमि अभिलेख संधारित नहीं था। नगरीय क्षेत्र में शासकीय भूमि में काबिज अधिभोगियों को भूमि स्वामी प्रमाणपत्र अथवा स्थायी पट्टा दिए जाने का प्रस्ताव है। गृह मंत्री ने कहा कि 1967 से राज्य शासन द्वारा नजूल भूखंडों के अधिपत्य अभिलेख तैयार करने और उसके प्रमाणपत्र तैयार करने के निर्देश शासन देगा। यह कार्रवाई प्रदेश के सभी नगरों में शुरू होगी। जब हम गांवों में पट्टा दे रहे हैं और मालिक बना रहे हैं तो फिर शहर में क्यों नहीं। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि सरकार ने किसान कल्याण निधि 10 हजार रुपए साल तय कर दी है। प्रदेश सरकार ने इसमें 4 हजार रुपए जोड़ा है। 77 लाख किसानों के खाते में 25 सितंबर को दीन दयाल उपाध्याय जी के जन्मदिन पर यह राशि एक क्लिक में भेजी जाएगी। जो किसान मानते हैं कि वह पात्र हैं, लेकिन उनका नाम नहीं है, वह अपना नाम इस लिस्ट में जुड़वाएं।

आई.टी.आई. में पुनः रजिस्ट्रेशन के लिए 30 सितम्बर तक तिथि बढ़ी

निजी आई.टी.आई. के लिए पोर्टल 16 अक्टूबर तक रहेगा खुला

भोपाल। प्रदेश के शासकीय और निजी आई.टी.आई. में रजिस्ट्रेशन तथा च्वाइस फिलिंग के लिए अंतिम तिथि में परिवर्तन किया गया है। आई.टी.आई. के लिए रजिस्ट्रेशन एवं च्वाइस फिलिंग की प्रक्रिया 21 सितम्बर से प्रारंभ है। शासकीय आई.टी.आई. में भी रजिस्ट्रेशन और च्वाइस फिलिंग की तिथि 25 सितम्बर से 30 सितम्बर निर्धारित की गई है। पूर्व में शासकीय आई.टी.आई. में पुनः रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 28 सितम्बर तय की गई थी। अब यह निर्णय लिया गया है कि निजी आई.टी.आई. के लिए रजिस्ट्रेशन एवं च्वाइस फिलिंग के लिए मध्यप्रदेश ऑनलाईन पोर्टल अब 16 अक्टूबर तक खुला रहेगा। जिससे जो छात्र पूर्व में रजिस्ट्रेशन नहीं कर सके है वे इस अवधि में रजिस्ट्रेशन और च्वाइस फिलिंग कर सकते हैं। शासकीय आई.टी.आई. में अब तक कुल 14 हजार 574 बच्चों को प्रवेश दिया गया है। इसमें क्रास ट्रेनिंग स्किल में 14 हजार 235, इंडिस्ट्रीयल मेनेजमेंट समिति 213 में तथा ड्यूल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग में 136 बच्चों को प्रवेश मिला है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष राज्य के बाहर के आवेदक भी शासकीय एवं निजी आई.टी.आई. में प्रवेश के लिए पात्र है। राज्य के बाहर के आवेदकों के लिए आरक्षण लागू नहीं होगा। रिक्त सीटों पर प्रथमतः राज्य के मूल निवासियों को प्रवेश दिया जायेगा। प्रवेश के बाद जो सीटें रिक्त होगी उन पर राज्य के बाहर के आवेदकों को प्रवेश दिया जायेगा। राज्य के बाहर के आवेदक चयन सूची में सबसे नीचे होंगे।

दिनभर की उमस से शाम को मिली राहत, भोपाल में आज भी बारिश के आसार

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मंगलवार को दिनभर लोग गर्मी और उमस से परेशान रहे। हालांकि शाम को करीब 2 घंटे तक जारी रही हल्की बारिश से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। भोपाल में मंगलवार को बारिश का सिलसिला दोपहर बाद 3 बजे शुरू हुआ, जो 20-25 मिनट तक चला। फिर शाम 7 बजे के बाद बारिश शुरू हुई और रात को 10 बजे तक थोड़ी-बहुत बारिश होती रही। प्रदेश में पिछले एक हफ्ते से उमस और गर्मी पड़ रही है। मंगलवार को भोपाल का अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस बीच मौसम विभाग ने शहडोल संभाग के जिलों समेत बालाघाट, विदिशा और रायसेन में मूसलाधार बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट किया है।

सागर, होशंगाबाद संभाग के जिलों के साथ ही रीवा सतना, सीहोर, राजगढ़, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, देवास और अशोकनगर जिलों में भारी वर्षा का यलो अलर्ट की चेतावनी जारी की गई है। रीवा, शहडोल, जबलपुर, सागर, इंदौर, उज्जैन, होशंगाबाद, भोपाल, ग्वालियर, चंबल संभाग के जिलों में गरज के साथ छीटे पड़ने की संभावना है। आईएमडी के भोपाल केन्द्र के मौसम विज्ञानी ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र अगले 48 घंटे में मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से की ओर बढ़ने की संभावना है। मध्य प्रदेश में अब तक 913 मिमी सामान्य बारिश के मुकाबले 936.6 मिमी वर्षा हो चुकी है। प्रदेश के कई स्थानों पर पिछले 24 घंटों में बारिश हुई है। इस सिस्टम का असर गुरुवार से कम होता जाएगा।

कविता

हमेशा इतना फोन क्यों लगाते हो दिमाग़ खराब है क्या,
ज्यादा इश्क़ में दर्द होता है इलाज लिए शराब है क्या?
पता है मुझे मेरी तो बनेगी नहीं फिर भी मान लिया
तू मेरी जान का शत्रु हो फिर भी अपनी जान दिया।
नैना से नैना मिलने से क्या-क्या होते हैं नादान क्या जाने,
छिप-छिप के बातें और मुलाकातें होते हैं अनजान क्या जाने?
तेरे इश्क़ में मैं रोता हूं लेकिन बताता किसी को नहीं
मैं एक बार बिखर कर दुबारा मनाता किसी को नहीं।
खूब सजावट क्यों की है कोई मेहमान आने वाला है क्या,
आंख में काजल क्यों लगायी हो कोई लेकर जाने वाला है क्या?
बुलाती हो मुझे नजर से नजर मुला कर कोई बात है क्या
इश्क़ बहुत करती हो पता नहीं है मेरा यादव जात है क्या?

कोसी अंचल का पुत्र
कुमार अंचल
अररिया,बिहार

करो कार्यवाही मैं स्वर्गवासी हूं

एक प्रशासनिक अमले ने तो ऐसे कार्यवाही की,कि महोदय को स्वर्गवासी हो ना बड़ा स्वयं को घोषित करवाना पड़ा । फिर कहा अब करो कार्यवाही मैं स्वर्गवासी हूं, अब कुछ नहीं कर सकते येंन केन प्रकरण की पोल खुल ही गई ठीक वैसे ही जैसे, बचपन में लुका छुपी का खेल में होता था और अंत में चोर पकड़ा जाता था। भले ही स्वयं को सुविधाओं के जाल में बांध लो परंतु मानव सामाजिक प्राणी है और उसकी जरूरतें कहीं न कहीं एक-दूसरे से जुड़ी ही होती हैं अब कार्यवाहियों का दौर है, सुना था कि मानव प्राणी खुद को पहले अंडरग्राउंड कर लेते थे अब तो कुछ नया ही पैंतरा वाला कार्ड है बचने के लिए खुद को स्वर्गवासी घोषित कर दो और फिर जिंदा शरीर के साथ बस डेथ सर्टिफिकेट हाथ में होना चाहिए तब कार्यवाही का अंत है ,परंतु जांच नामक अगर किसी अधिकारी को कीड़ा काट ले तो स्वर्ग से आत्माओं को भी पहचान दिला देते हैं,हर कागजी कार्यवाही का अपना एक रॉब है वह चाहे तो मुर्दों में भी जान फूंक दे किसी बाबा बंगाली की दवा की तरह काम करती हैं यह कागजी कार्यवाही, कागज में अगर एक भी धब्बा है तो आपको स्वर्गवासी बनने से कोई नहीं रोक सकता। कार्यवाही तो दूरबीन लगाकर तथाकथित खोजी कुत्तों से भी पूर्ण नहीं हो सकती अगर कागज सफेद और स्याही में ईमान है तो शराफत कार्यवाही में होगी कितने ही मौत के भौकाली कागजात हार चढ़ी फोटो और भिन्न बीमारियों से मौत के कारण स्वर्गवासी हो गए फूट-फूटकर मगरमच्छ के असुओं पर वह कार्यवाही करने पर मजबूर कर ही देती हैं, कितना भी कहो कि करो कार्यवाही मैं स्वर्गवासी हूं एक पंक्ति यह पूरी कर ही देती है गर फिरदौस बर रूये ज़मीं अस्त/ हमीं अस्तो हमीं अस्तो हमीं अस्त ! वह खूबसूरत स्वर्ग यहीं है यहीं है और यहीं है भौकाली लंबी कार्यवाही भी यहीं है है यहीं है और यहीं है फिर कहो कितना भी की करो कार्यवाही मैं स्वर्गवासी हूं।

कवि कुमार प्रिंस रस्तोगी
पता-सहादतगंज लखनऊ से

शक के दायरे से लिपटा

स्त्रीओं के हक में लाखों कसीदे लिख लिए, क्या कोई मेरी शख्सीयत पर भी गौर करेगा ? कहाँ आसान है आज एक साफ़ सुथरी छवि बनाएँ रखना एक मर्द के लिए, कुछ मानसिक बीमारियों से ग्रस्त मर्दों ने अपनी जमात में बिठा लिया है हर एक मर्द को। हाँ मैं मर्द हूँ आज के बदले दौर में खुद को संभालता सीधे रस्ते का मुसाफिर, फिर भी एक आशंका से घिरा हर औरत की आँखों में दिखती है दहशत मेरे लिए दरिंदगी की परिभाषा को तलाशती मेरे साये से भी घबरा रही है लड़कीयाँ। नतमस्तक सा हो जाता हूँ लड़कीयों और स्त्रीओं की आँखों में अपने लिए शंका की किरकिरी देख कर मेरे वजूद पर सवालों के जवाब देना चाहता हूँ चिल्ला-चिल्ला कर कि मैं वो नहीं हूँ जो आप समझते हो। मेरा निर्मल निश्चल व्यक्तित्व खो गया है मासूम बच्चियों के बलात्कारियों के कुकर्मों के पीछे दरिंदों के भेष में छुपे मर्दों ने रौंद दिया है सीधे सादे इंसान की छवि को, डर-डर के जीता हूँ, ट्रेन, बस या राह चलते कहीं मेरी ऊँगली भी छू न ले किसीको नहीं झेल पाऊँगा उसकी आग उगलती नज़रों का लावा,मेरी नजरों में कोई बुराई नहीं अपनी माँ बहन बेटी सा निहारता हूँ एक नज़र उठने पर भी मुजरिम के कठहरे में खड़ा कर दिया जाता हूँ।

चरित्र का सर्टिफिकेट देता भी कैसे-रहूँ दायरे में फिर भी कुछ वहसीयों की करतूत मेरे वजूद को गिरा देती है, मर्द की परिभाषा ड़गमगाती नज़र आ रही है, आज कोई माँ मेरे भरोसे अपनी बेटी को एक घंटा छोड़ने को तैयार नहीं.. लिफ्ट में कोई अकेली लड़की मेरे साथ आने से आप जाइए प्लीज़ करके मेरा घोर अपमान कर देती है तब खुद पर ही तरस आ जाता है। ना दोष किसीका नहीं आज हमारा समाज जिस तरफ़ जा रहा है छह या आठ महीने की बच्चियों को भी नहीं बख्शने वाले राक्षसों ने स्त्रीयों ओर लड़कीयों को मजबूर कर दिया है विश्वास शब्द से कोसों दूर कर दिया है। मेरी पहचान खो गई है मैं दौड़ता हूँ भागता हूँ मेरी हल्की-सी मुस्कान को ढूँढने, मेरी प्यारी सी छवि के पीछे पर कोई उड़ा ले जा रहा है मेरे अंतर्मन से उखाड़ कर। मुझे सोचने पर विवश करता की क्या अपनी जगह बना पाऊँगा सृष्टि की आधार, जगत जननी के मन में.. ! जब कोई मासूम बच्ची मुझे शक भरी निगाहों से देखती है तो लज्जित सा महसूस होता है खुद से ही नज़र मिलाना मुश्किल हो जाता है, वहसियों की एक जमात ने सारे मर्द के अस्तित्व को दागदार कर दिया है कहो अब क्या मर्द बनना आसान है यहाँ।।

(भावना ठाकर, बेंगलोर) भावु

गरीबी रेखा के नीचे के वास्तविक हकदारों को मिली अन्न सुरक्षा की गारंटी

राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा गारंटी के अंतर्गत अशोकनगर जिले की मुंगावली तहसील की श्रीमती सुनीता राय के परिवार में 4 सदस्य हैं। उनके पति का स्वर्गवास हो चुका है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाला यह परिवार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत राशन प्राप्त करने की पात्रता रखता था परन्तु राशन राशन कार्ड नहीं होने के कारण इन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा के अंतर्गत पात्र परिवारों को पर्ची वितरण की सूची में जब इनके परिवार का नाम शामिल किया गया तो इनकी खुशी का पारावार न रहा।

मीडिया अदालतें क्यूं बन जाती है?

न मुद्दई, न मुंसिफ, न सुनवाई, न गवाही बस फैसला हिन्दुस्तानियों के हित के लिए मीडिया की नींव रखी गई थी, एक जमाने में मीडिया का काम लोगों के हितों की रक्षा कर खबरों का प्रचार प्रसार करना था, आज की तरह मीडिया का काम लाभ कमाना नहीं था । हमारे लोकतंत्र के चार स्तंभ हैं जिनमें से एक मीडिया भी है और यह स्तंभ सबसे शक्तिशाली स्तंभ माना जाता है लेकिन कानून से बड़ा नहीं पर आज इस चौथे स्तंभ मीडिया में झूठ के प्रचार प्रसार का घुन लग गया है संविधान के अनुच्छेद 19 (1)॰ के तहत सभी को अभिव्यक्ति की आजादी दी गई है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कोई भी किसी भी कानून का उल्लंघन करे या किसी को आहत पहुंचाए, लेकिन प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया ऐक्ट में प्रावधानित नियमों को दरकिनार कर मीडिया पर सनक सी सवार हो गई है, जो पूरी तरह से गुमराह करने वाली अवांछनीय सूचनाओं के प्रचार प्रसार के माध्यम से टीआरपी बटोरने के लिए और गंभीर मानवीय घटनाओं की परवाह किए अपने रास्ते से भटक गई है। मीडिया का अब काम स्वत-ही जज बन बैठ अपना फैसला सुना देने तक ही सीमित रह गया है और जनता के खिलाफ ही काम करना, आज भारत के हर क्षेत्र में मीडिया की मौजूदगी है पहले एक चैनल होता था दूरदर्शन, जिस पर बड़ी ही शालीनता से मीडिया अपनी हर एक खबर रखती थी ना कोई शोर शराबा ना टीआरपी पाने की होड़ और ना ही किसी भी तरह की शोर शराबे वाली डिबेट, आज 50 से भी ज़्यादा न्यूज चैनल हैं और उन सब पर 50 तरह का प्रचार प्रसार भी। एक कहावत कही जाती है कि ÷हम जैसा देखते हैं, वैसे ही हो जाते हैं और जैसा मीडिया हमें खबर दिखाती है हमारी मानसिकता भी वैसे ही हो जाती है, सनसनीखेज मीडिया ने अपनी सारी लक्ष्मण रेखाओं का अनादर कर स्वत-ही अदालत बन बैठ हर एक खबर पर अपना फैसला लगभग सुना ही दिया है, दुनिया पायल, रिया और कंगना से भी बहुत आगे है, लेकिन मीडिया अभी भी पायल, रिया, कंगना और अनुराग में ही फंसी हुई हैं, अनुराग कश्यप को मॉललेस्टर बना अब हर कोई अदालत बन उन्हें सजा सुनाने में व्यस्त हो गए हैं, पहले यह सुनिश्चित क्यूं नहीं कर लिया जाता कि इंसाफ दिलाना किसे है? किसी भी मामले में इतनी जल्दबाजी भी नहीं मचानी चाहिए जब तक कोई गुनाह साबित नहीं हो जाता तब तक कोई फैसला तो न सुनाया जाय । अगर आज सुशांत सिंह राजपूत जिंदा होते तो वे भी आज (एनडीपीएस) एक्ट में कठघरे में होते क्योंकि इस ऐक्ट के मुताबिक ड्रग्स रखना, बेचना या इस्तेमाल करने वाले सभी लोग दंड के पात्र होते हैं।

व्यक्ति विशेष पर लंबी कराने की बजाय शिक्षा, बेरोजगारी, स्वास्थ्य संबंधी प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करानी चाहिए जिससे इन क्षेत्रों की प्रमुख समस्याओं को चिन्हित कर उनके निवारण के उपाय सुझाए जा सकें। बेहतर होगा मीडिया तटस्थ रह कर सत्य से दर्शकों को रूबरू कराए मीडिया खुद अदालतें न बन जाएं, वरना वो दिन दूर नहीं जब मीडिया अपनी विश्वासनीयता खो देगा।

प्रियंका शर्मा
एडवोकेट

असली चिंता छोटे किसानों की

संसद ने खेती-किसानी से जुड़े तीन अहम विधेयक पारित किए हैं। इनमें पहला विधेयक है, 'कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन व सरलीकरण) विधेयक', जो किसानों को यह अधिकार देता है कि वे अपनी फसल मर्जी की जगह पर बेच सकते हैं। उन्हें फसलों की बिक्री पर कोई टैक्स भी नहीं देना होगा। दूसरा है, 'कृषक (सशक्तीकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार विधेयक।' इसमें वायदा खेती को बढ़ावा देने की बात कही गई है। और तीसरा है, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 में संशोधन विधेयक, जिसके तहत खाद्य तेल, दाल, आलू, प्याज जैसे कृषि उत्पादों की भंडारण-सीमा से जुड़ी शर्तें समाप्त कर दी गई हैं। अब अति-आवश्यक होने पर ही इन उत्पादों का स्टॉक किया जा सकेगा। इन तीनों विधेयकों को सरकार ने ऐतिहासिक और किसानों के हित में बताया है, लेकिन पंजाब, हरियाणा, आंध्र, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों के किसान इनका विरोध कर रहे हैं। किसानों के इस विरोध का कारण समझने के लिए हमें सबसे पहले देश की कृषि-व्यवस्था पर गौर करना होगा।

जब मानसून अच्छा रहता है, तो अपने यहां खरीफ की बुआई खूब होती है। सरकारी नीतियां भी इनमें सहायक होती हैं, लेकिन चुनौती यह है कि कृषि उपज को किस तरह बढ़ाया जाए और इसे कैसे इतना मजबूत बनाया जाए कि अर्थव्यवस्था में होने वाली गिरावट की भरपाई इससे अधिकाधिक हो सके। सरकारों का ज्यादा ध्यान मूल्य समर्थन नीति पर रहता है, लिहाजा न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी जाती है। यह व्यवस्था उत्तर-पश्चिम के किसानों के लिए तो महत्वपूर्ण हो सकती है, लेकिन शेष भारत के किसानों को इससे शायद ही फायदा मिलता है। सरकारी खरीद संबंधी मूल्य उनके लिए अब तक अप्रासंगिक रहे हैं। भारत में कृषि बाजार का दुनिया का सबसे बड़ा तंत्र है, लेकिन यह तंत्र तब महत्वहीन हो जाता है, जब इससे किसानों को कोई फायदा नहीं मिलता। यही वजह है कि अपने यहां कृषि उत्पादों का अधिकतर कारोबार मंडी के बाहर होता है, क्योंकि मंडी में सुविधाओं का अकाल है। इसलिए हमें सर्वप्रथम कृषि प्रसंस्करण के बुनियादी ढांचे (आपूर्ति शृंखला) और बाजार की व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करना होगा। भारतीय अर्थव्यवस्था जब-जब मुश्किलों में फंसी है, कृषि क्षेत्र ने ही उसे मूलत-खाद-पानी दिया है। आज जब हमें कोरोना के साथ जीने के बारे में सिखाया जा रहा है, 'न्यू नॉर्मल' की बातें की जा रही हैं, तब खेती-किसानी को भी इसी रूप में ढालने की जरूरत है। व्यापार और परिवहन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जब कोविड-19 के कारण लॉकडाउन लगा, तो आवागमन ठप हो गया, और किसानों को जहां-तहां अपनी फसलों का भंडारण करना पड़ा है। रेलवे अब तक सुचारू रूप से अपनी सेवाएं शुरू नहीं कर सका है, जबकि कई कृषि व्यापार में परिवहन के तौर पर रेलवे का ही इस्तेमाल किया जाता है। नासिक-मुंबई या अहमदाबाद-सूरत-वलसाड की लोकल ट्रेनों में सफर करने वाले दैनिक यात्री न जाने कितने दूधवाले और सब्जी-फलवालों से परिचित हो चुके होंगे। सोचिए, ऐसे किसानों की हालत इन महीनों में क्या हुई होगी? जाहिर है, हमें अब बदली हुई स्थितियों के अनुरूप कृषि नीतियां बनानी होंगी। बहरहाल, नए विधेयकों का विरोध कर रहे लोगों का एक तर्क यह है कि इससे छोटी जोत के किसानों को नुकसान होगा और पूरा फायदा बड़े किसान और कारोबारियों के हिस्से में चला जाएगा। निश्चय ही किसान अपनी फसल को बेचने के लिए लंबा रास्ता तय करते हैं। छोटे गांवों के किसान बड़े गांव में जाते हैं और फिर वहां से उनकी उपज शहरों में पहुंचती है। कई राज्यों में दस लाख से भी अधिक किसान शहरों का रुख करते हैं। मगर बाजार का जो ढांचा अपने देश में है, उसमें उन्हें प्राथमिकता नहीं मिलती। नतीजा यह होता है कि खेती-किसानी में आमदनी की किसानों की क्षमता कम होती जाती है। बेशक सरकारें कई तरह की सहायता और कर्ज-योजनाएं लाती हैं, लेकिन जब तक उन बुनियादी मुश्किलों को दूर नहीं कर लिया जाता, जो किसान पहले से झेलते आ रहे हैं, तब तक इन योजनाओं का बहुत ज्यादा लाभ नहीं मिल सकता। साफ है, छोटे किसानों और भूमिहीन मजदूरों की बुनियादी समस्याओं का समाधान पहले होना चाहिए, उसके बाद नीतियां बननी चाहिए। एक उदाहरण, गुजरात में सरदार सरोवर का पानी अब किसानों के लिए मुश्किल का कारण बन चला है। यहां के पानी को 2002 में मुख्य नहर में मोड़ दिया गया था। नतीजतन, पिछले सप्ताह हर छह में से एक किसान को पानी नहीं मिला। लिहाजा, हमारी रणनीति ऐसी होनी चाहिए कि छोटे, मध्यम और बड़े गांव शहरों से सीधे जुड़ सकें। यह जुड़ाव सिर्फ आर्थिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (सड़क, बाजार, बिजली आदि) से नहीं हो, बल्कि यह सामाजिक स्तर पर भी दिखना चाहिए। हमें सिर्फ यह नहीं सोचना चाहिए कि शहरों में रहने वाले लोगों की आय बढ़े। किसानों की आमदनी किस तरह से बढ़े, इस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। इन सभी चुनौतियों को देखकर यह लगता है कि संसद से पारित इन विधेयकों का दीर्घकालिक लक्ष्य तो अच्छा है और ये अच्छे इरादे से प्रेरित हैं, लेकिन लक्ष्य तक पहुंचने का रास्ता फिलहाल स्पष्ट नहीं है। अपने देश में मंडी से इतर कृषि उपज की खरीद-फरोख्त के कई बाजार हैं। मगर किसानों के पास खाद्य प्रसंस्करण, प्रथम चरण के बुनियादी ढांचे और इससे संबंधित सुविधाएं नहीं हैं। सरकार किसानों को ऑनलाइन व्यापार करने की सलाह दे रही है, लेकिन इसके लिए पहचान पत्र की जरूरत होती है, जो ज्यादातर छोटे किसानों के पास शायद ही हो। लिहाजा, इन सभी चुनौतियों पर गंभीर बहस की जरूरत है।

अर्थव्यवस्था में सुधारआत्मनिर्भरता पर ही निर्भर

कोरोना संकट से अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। छोटे धंधों से लेकर बड़े उद्योगों की कमर टूट चुकी है। लॉकडाउन से प्रक्रिया अनलॉक तक पहुंच गई मगर हालात ज्यादा बदले नजर नहीं आ रहे हैं।सरकार भी इस कोशिश में है कि अर्थ के साथ व्यवस्था भी धीरे-धीरे पटरी पर लौटे। आत्मनिर्भरता का मंत्र असर जरूर कर रहा है मगर वह भी धीमी गति से मगर एक बात तय है कि अगर लोग इस जतन में लगे रहे तो बमुश्किल 2 सालों में आर्थिक रूप से मजबूत हो जाएंगे तब तक कोरोना भी थम जाएगा। खिलौना उद्योग से मिले रुझान उत्साह पैदा करने वाले हैं। 3 माह के लॉक डाउन का दुष्प्रभाव अब जाकर दिखने लगा है।उत्पादन के बंद रहने से व्यापार ठप हुआ है। व्यापारिक गतिविधियों के नहीं चल पाने से निर्माता, विक्रेता,मजदूर सब की हालत खस्ता हुई है।आज बाजार की हालत भी खराब है।ग्राहकी मंदी के दौर से गुजर रही है और दुकानदार फुर्सत में है। बाजारों में केवल आवश्यक वस्तुओं के ही ग्राहक नजर आते हैं।फैशनबाजी और फिजूलखर्ची पूरी तरह बंद सी हो गई है।ऐसे में व्यापारिक घाटा बढ़ना ही है क्योंकि बाजारों में आकर्षण दिखावटी और फैंसी चीजों का ही होता है जो कमाई का बड़ा जरिया होती है। अगर धीरे-धीरे स्थिति नहीं सुधरी तो व्यापार व्यवसाय की स्थिति नाजुक हो जाएगी। इन सब से एक संदेश विकास दर गिरने का भी आया है जो ज्यादा चिंताजनक है।

सुस्ती वाडा में पड़े व्यवसाय को गति देने के लिए सरकार ने आत्मनिर्भर भारत का मंत्र फूंका है। क्षेत्र चाहे निर्माण का हो या दवाई घरेलू सामान या फिर मनोरंजन की चीजों का सबको स्वदेशी का रंग चढ़ाने का प्रयास किया गया है। अब खिलौना उद्योग को ही लें तो भले ही यह आइटम बच्चों का है पर इसका भारत में भी एक बड़ा बाजार है। यहां चाइनीज खिलौने बच्चों की पहली पसंद रहे हैं हालांकि कम दाम और उपयोग में डिस्पोजल आइटम और टूटने फूटने वाले हैं। ऐसे में इनका बाजार सदैव ग्राहकी से भरा रहता है। ऐसे ही बाजार हमें अवसर दे सकते हैं। आज अगर खिलौनों का बाजार देखा जाए तो इसका कुल व्यापार 16 हजार करोड़ का है जिसमें भारत में बने खिलौने महज 25त्न ही हैं। बाहर से आयात करने वाले खिलौनों का आंकड़ा 40त्न है जो देश में निर्माण के मुकाबले सस्ते पड़ते हैं। इस समय नोएडा दिल्ली मुंबई राजकोट और कोपल कर्नाटक में लगभग 400 यूनिट के

माध्यम से हमारा घरेलू उत्पादन हो रहा है असंगठित क्षेत्रों में भी छोटी-मोटी 10,000 इकाइयां हैं जो खिलौने का निर्माण करती है। अगर प्रतिस्पर्धा के बाजार में भारतीय खिलौनों का ऐसा ही बाजार कायम रहता है तो महज 3 साल में देश में 16000 करोड़ के खिलौने का लक्ष्य साधा जा सकता है जो सीधे से हमारी आर्थिक सेहत को सुधारने में ब्रह्मास्त्र का काम करेगा।

इसके अतिरिक्त चुनिंदा क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के जरिए आर्थिक बचत का भी रास्ता है। इलेक्ट्रॉनिक्स,रक्षा उपकरण,फार्मास्युटिकल्स सहित कई अन्य क्षेत्र हैं जिनमें आत्मनिर्भरता के माध्यम से एक बड़ी राशि बचाई जा सकती है।एक्जिम बैंक का एक निष्कर्ष बताता है कि चुनिंदा क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता अपनाने से भारत को आयात बिल में 186 अरब डालर यानी 14 लाख करोड रुपए से अधिक की बचत हो सकती है। बैंक ने अपनी रिपोर्ट में आयात कटौती और घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर जोर देते हुए मशीनरी,रसायन और इनसे जुड़े क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देने की बात कही इसके अलावा खनिज और लोहा इस्पात क्षेत्र भी बैंक के अध्ययन में शामिल है। इनसे निर्मित चीजें भारतीय बाजारों को नई ऊंचाइयां दे सकती है। इस प्रकार इन क्षेत्रों का अध्ययन और विश्लेषण बताता है कि अब केवल आत्मनिर्भर भारत के प्रयास हो। कल तक विदेशों का मुंह ताकते देश को अपनी जरूरत की पूर्ति खुद करनी होगी जिससे लिए हमें कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्के इरादे करने होंग।तमाम संभावनाओं से भरे क्षेत्रों की उपलब्धियों का कण-कण सदुपयोग जरूरी है। अगर देखा जाए तो लक्ष्य हासिल करना असंभव भी नहीं है क्योंकि हम जरूरत की चीजें जो बनाते नहीं है तो हमें कहीं से भी खरीदना तो पड़ती ही है। जब देश की परिस्थितियों को समझकर इनका निर्माण होगा तो हमारी योग्यता तो विकसित होगी ही बचत आत्मनिर्भरता के द्वार भी खोलेगी। जिस प्रकार विदेशी चीजों को खरीदने का जुनून लोगों में है उसे स्वदेशी भी बनाना होगा और मजबूत राष्ट्र की नींव का पत्थर भी बनना होगा। जब तक आत्मनिर्भर भारत की कल्पना सार्थक नहीं होगी हमें चीन जैसे दूराग्रही राष्ट्रों का मुंह ताकते ही रहना पड़ेगा।

अमृतलाल मारू ÷रवि÷
(स्वतंत्र लेखक एवं पत्रकार)
शनि चौराहा दसई
जिला धार मध्य प्रदेश

राष्ट्रीयता के पैरोकार राष्ट्रकवि.. दिनकर

राष्ट्रीयता का लेखन में दिनकर ने ऐसा भाव जगाया,
लोगों को वीर रस का ऐसा मंत्र मुग्ध जादू दिखलाया।
वीरता के ओतप्रोत रचना से लोगों में भर दिया जोश,
शोषण और गुलामी के विरुद्ध सतत कलम चलाया।।
छायावाद का भी प्रभाव, पर ओजकवि के साहित्यकार,
दिनकर को 1959 में मिला साहित्य अकादमी पुरस्कार।
रश्मिरथी, उर्वशी, हुंकार, कुरुक्षेत्र जैसे प्रसिद्ध ग्रंथ लिखे,
हिंदी के साथ उर्दू संस्कृति मैथिली अंग्रेजी के जानकार।।
पद्मभूषण और ज्ञानपीठ जैसे दिनकर को मिले सम्मान,
23 दिसंबर,1908 को जन्म, 1974 में हुआ देहावसान।
अपनी रचना के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का भरा हुंकार,
देश की आज़ादी की लड़ाई में दिनकर का रहा योगदान।।
जन जन के हुए कवि, अन्ततः राष्ट्रकवि का दर्जा पाया,
अंग्रेजों के अन्याय के खिलाफ़ साहित्य को आगे बढ़ाया।
सिंहासन खाली करो कि जनता आती है प्रसिद्ध रचना,
वर्ष 1952 में राज्य सभा के सदस्य का भी गौरव पाया।।
रेणुका, रसवंती व सामधेनी जैसे काव्य से हुई पहचान,
अनेकानेक प्रबंध काव्य रच कर दिनकर बने विद्वान।
दिनकर जी के जयंती पर हम भारतवासी स्मरण करें,
हिंदी साहित्य के क्षेत्र में सूर्य रश्मियों के जैसे तेजवान।।

स्वरचित व मौलिक
लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
नव किरण प्रकाशन
बस्ती [उत्तर प्रदेश]

ए दुनिया

रंग बदलता इस दुनिया का,
हमने भी देखा खूब तमाशा।
कहीं झोपड़ी में है ज़िन्दगी,
कहीं प्राचीरों मे भी निराशा।
कहीं वेदना का तपता जीवन,
कहीं खुशियों की परिभाषा।
मिले अपनत्व का संसार कभी,
फिर आये नहीं कोई निराशा।
मिलती मंजिल तय कर लेंगे हम,
बस बनी रहे ये सुखद सी आशा।
छाये गम की बदली कभी भी,
हृदय में ठहरे न कभी निराशा।

बीना भट्ट बड़शिलिया
हल्द्वानी/नैनीताल,उत्तराखंड

मां की बालूशाही

क्या कहूं तुझसे मैं मां
मैं हूं तेरी ही परछाई
जीवन के हर मोड़ पर मां
तुम्हारी बहुत याद आई
ना मिल पाना संभव है मां
ना भूल तुम्हें मैं पाई
क्या कहूं तुझसे मैं मां
परिवार में सब हैं अपने मां
मगर तेरी कमी बहुत सताई
क्या कहूं तुझसे मैं मां
तुम्हारी मीठी बातो से मां
मेरी रसोई आज महकाई
क्या कहूं तुझसे मैं मां
अपनी छोटी सी रसोई में मां
मैंने स्वादिष्ट बालूशाही बनाई
क्या कहूं तुझसे मैं मां
याद तुम्हें करती हर पल
मैं मन ही मन मुसकाई
मेरी प्यारी बालूशाही
जो मां ने मुझे सिखाई
क्या कहूं तुझसे मैं मां।।

प्रतिभा दुबे
समाज सेविका
ग्वालियर,मध्यप्रदेश

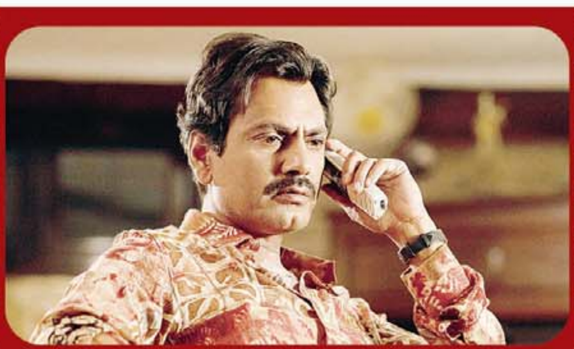

आजकल जो बालीवुड के बारे में कहा जा रहा हैं, वह गलत हैः नवाजुद्दीन

बॉलिवुड में इस समय अगर कुछ सबसे बेहतरीन अभिनेताओं का नाम लें,तब उसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी का नाम भी रखा जाएगा। नवाजुद्दीन ने अभी तक अपने अलग-अलग किरदारों से खुद को साबित किया है। हाल में नवाज ने अपनी फिल्मों, बॉलिवुड के सफर, साथी अभिनेता, इरफान खान और नेपोटिजम की बहस, सभी पर खुलकर बात की। नवाजुद्दीन ने बताया कि उनका लॉकडाउन बहुत बढ़िया गुजरा। वह मसूरी के एक शानदार रिजॉर्ट में रह रहे हैं। वहां पूरे दिन फिल्म देखते हैं और एक्सरसाइज करते हैं। नवाज का कहना है कि वह उस वक्त का इंतजार कर रहे थे ताकि खुद के लिए कुछ समय निकाल सकें। नवाजुद्दीन ने दिवगंत अभिनेता इरफान खान के साथ काफी काम किया था। वह आज भी इरफान को अपना मेंटॉर मानते हैं। नवाज का कहना है कि उनके करियर में भी इरफान ने काफी मदद की थी। नवाज ने बताया कि उनकी और इरफान की साथ में की हुई कई फिल्में रिलीज ही नहीं हुई हैं। नवाज ने बताया कि जब भी वह किसी परेशानी में होते थे,तब वह इरफान से सलाह लिया करते थे। नवाज का कहना है कि अनुराग कश्यप के साथ उनकी ट्यूनिंग बेहतरीन है। हाल के दिनों में बॉलिवुड में चल रही नेपोटिजम की बहस पर नवाज कहते हैं कि उन्हें ऐसा कभी नहीं लगा कि वह बॉलिवुड में बाहरी हैं। उन्होंने कहा कि नेपोटिजम हर जगह मौजूद है लेकिन इसके लिए ऑडियंस सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। नवाज ने कहा कि हर बाप चाहता है कि उसका बेटा या बेटी ही आगे बढ़े लेकिन फिर भी लोग बाहर से आकर यहां काम कर रहे हैं और अपनी पहचान बना रहे हैं इसलिए यह बहस बंद होनी चाहिए। नवाजुद्दीन ने कहा कि आजकल बॉलिवुड को एक बेहद ही खराब जगह बताया जा रहा है जोकि गलत है। उन्होंने कहा कि बॉलिवुड में सभी लोग अपने विचार खुलकर सामने रखते हैं। लेकिन अगर फिल्म इंडस्ट्री के बारे में केवल खराब बातें ही कही जाएंगी तो बॉलिवुड में आने वाले नए टैलेंट अपने कदम पीछे खींच लेगा। नवाज ने कहा कि जैसी बातें बॉलिवुड के बारे में बोली जा रही हैं उससे तो लोग यही समझेगा, बॉलिवुड में तो मर्डर होते हैं, ड्रग्स लेते हैं, गांजा पीते हैं।' इसलिए ये इनसाइडर-आउटसाइडर और नेपोटिजम की बहस बंद होनी चाहिए।

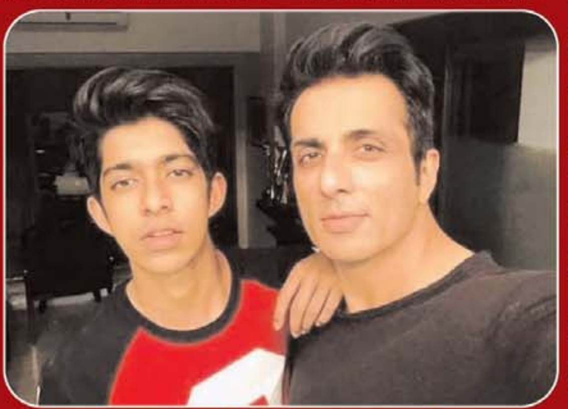

सोनू का बेटा देता है पापा को टक्कर

पूरी बॉलीवुड इंडस्ट्री सोनू सूद के फिटनेस की सराहना करती है। कई बार सोनू जिन फिल्मों में विलेन होते हैं उसी में अपने फिटनेस से वो फिल्म के हीरो को भी जलन महसूस करा देते हैं, लेकिन अब उनके बेटे से उनको कड़ी टक्कर मिल रही है। अपने बेटे के जन्मदिन के अवसर पर उन्होंने अपने बेटे को अपना कॉपी-कैट बताया। असल में कोरोना के दौरान पिता-पुत्र ने जमकर कसरत के लिए समय निकालते थे। सोनू ने सोशल नेटवर्क पर एक फोटो भी शेयर की थी। सोनू के बेटे ईशान अभी वयस्क हुए हैं। हाल ही में वो 18 साल के हुए हैं। सोनू ने एक फिजिक शो में किंग खान के साथ खड़े हुए काफी लोगों ने पसंद किया

रश्मि ने सिर्फ कोट पहनकर शेयर की जबरदस्त बोल्ड फोटोज, लिखा

उसे हीरो की जरूरत थी इसलिए... उसने ये बनने का फैसला लिया

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस और विवादित रिएलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट नज़र आ चुकीं रश्मि देसाई आए दिन किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। बिग बॉस के बाद से रश्मि देसाई और भी ज्यादा बोल्ड और ग्लैमरस हो गई हैं, जिसकी झलक उनके सोशल मीडिया एकाउंट पर दिख जाती है।

अब रश्मि देसाई ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उन्होंने सीग्रीन रंग का आउटफिट पहन रखा है। फोटोज में रश्मि अब तक के सबसे बोल्ड अवतार में दिख रही हैं। उन्होंने इस फोटोशूट में जैकेट में बेहद सिजलिंग पोज दिए हैं। रश्मि इन तस्विरों में सिर्फ कोट पहने ही नजर आ रही हैं। इस कोट ड्रेस के साथ उन्होंने वेवी ट्राउजर भी पहन रखा है। रश्मि का ये शिमरी आउटफिट बेहद शानदार दिख रहा है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए रश्मि देसाई ने लिखा- उसे एक हीरो की जरूरत थी इसलिए... उसने ये बनने का फैसला लिया। रश्मि का ये अंदाज उनके फैंस को बहुत पसंद आ रहा है। यही कारण है कि इन तस्वीरों पर उन्हें फैंस की ताबड़तोड़ प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। इसके साथ ही कई सेलेब्रिटीज ने भी रश्मि की बोल्डनेस देखते हुए उनकी तारीफों के पुल बांधे हैं। टीवी शोज में बिलकुल अलग अवतार में दिखाई दे चुकीं रश्मि देसाई अब बदल गई हैं उनका अंदाज बेबाक और स्टाइल और भी बोल्ड हो गया है। बात करें रश्मि देसाई के करियर की तो वो गुजरात के एक छोटे शहर से हैं। जहां उन्होंने गुजरात फिल्म इंडस्ट्री के बाद भोजपुरी सिनेमा से होते हुए टीवी इंडस्ट्री की राह पकड़ी है। उन्होंने कई टीवी शोज में अपनी एक्टिंग के जरिए लोगों के दिलों में जगह बनाई है।

नोरा ने की नेहा कक्कड़ की तारीफ

डांसर-अभिनेत्री नोरा फतेही के कई हिट नंबरों को प्लेबैक स्टार नेहा कक्कड़ ने आवाज दी है। इस पर नोरा का कहना है कि नेहा की आवाज में कुछ जादू है। ऐसे कई गायक हैं, जिनकी आवाज शानदार हैं, लेकिन नेहा की आवाज में कुछ अलग हट के है, जिसे बयां नहीं किया जा सकता। जब नेहा गाती है तो वह काफी एनर्जी महसूस करती हैं। बता दें कि नेहा ने डांस नंबर 'एक तो कम जिंदगानी', 'दिलबर', 'ओ साकी-साकी' 'गर्मी' में अपनी आवाज दी है, जिसमें डांस नोरा ने किया है। नोरा ने आगे कहा कि जब मुझे नेहा के गानों पर परफॉर्म करने का मौका मिलता है, तो मैं काफी लकी महसूस करती हूं। सभी कलाकारों को ऐसा मौका नहीं मिलता है।

इलियाना ने शेयर की बचपन की तस्वीर

एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। वह आए दिन अपनी रील और रियल लाइफ से जुड़ी चीजें सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने फैन्स के लिए अपनी एक फ्लैशबैक तस्वीर शेयर की। ये तस्वीर उनके बचपन की है।

तस्वीर में नन्हीं इलियाना सफेद रंग की ड्रेस पहने नटखट सी मुस्कुराती नजर आ रही हैं। वह तस्वीर में कुछ लड़कियों के बीच बैठी दिखाई पड़ रही हैं। ये तस्वीर किसी इनडोर लोकेशन पर ली गई है और इलियाना इसमें किसी नन्हीं प्रिंसेस की तरह लग रही हैं। इस तस्वीर के कैप्शन में इलियाना ने लिखा कि ₹तस्वीर में हमेशा भीड़ के बीच बैठा हुआ एक चेहरा।₹ इलियाना ने इस कैप्शन के साथ हैश टैग थ्रोबैक लिखा है। बता दें कि इस तस्वीर को कुछ ही घंटे में तकरीबन ढाई लाख लोगों ने लाइक और शेयर किया है। कमेंट बॉक्स में यूजर्स अपनी प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं। एक यूजर ने तारीफ करते हुए लिखा कि तुम किसी एंजेल की तरह लग रही हो। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा कि तुम्हारे दांतों से मैं तुम्हें पहचान सकता हूं। वहीं, वर्क फ्रंट पर इलियाना इस वक्त अमेरिका के टेक्सास शहर में हैं। वह जल्द ही अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म बिग बुल में काम करती नजर आएंगी।

माधुरी ने पति और बेटों के साथ तैयार किया किचन गार्डन

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित अक्सर सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है। इसविडियो में माधुरी दीक्षित परिवार के साथ मिलकर किचन गार्डन तैयार करती हुई नजर आ रही हैं। अब उनके किचन गार्डन में छोटे-छोटे पौधे भी उग आए हैं, जो देखने में काफी खूबसूरत लग रहे हैं। माधुरी दीक्षित के इंस्टाग्राम एकाउंट से शेयर हुए इस वीडियो को अब तक 5 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। इसके साथ ही लोग इसपर जमकर कमेंट भी कर रहे हैं। वीडियो में नजर आ रहा है कि जहां माधुरी दीक्षित गमलों में मिट्टी भर रही हैं तो वहीं उनके दोनों बेटे और पति उनका गमलों को सेट करने में खूब साथ दे रहे हैं। किचन गार्डन तैयार करते वक्त परिवार साथ में खूब मस्ती भी कर रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस का यह वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। लोग वीडियो में उनके अंदाज को लेकर उनकी तारीफें करते भी नहीं थक रहे हैं। माधुरी दीक्षित अक्सर अपनी फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। कुछ दिनों पहले एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह अपने पति के साथ मोदक बनाती हुई नजर आ रही थीं। फैंस ने उनके इस वीडियो को भी खूब पसंद किया था। माधुरी दीक्षित रियलिटी टीवी शो पर बतौर जज वापसी करने वाली हैं। रियलिटी शो 'डांस दीवाने' के नए सीजन में वह नजर आएंगी। माधुरी दीक्षित ने डांस प्रेमियों को क्वारंटीन को ध्यान में रखते हुए घरों के किसी भी कोने को चुनने और फिर अपनी डांस प्रतिभा दिखाने के लिए एक वीडियो रिकॉर्ड करने का आग्रह किया है।

मानसून सत्रः लोकसभा की कार्यवाही आज शाम 6 बजे से होगी

राज्यसभा को दिया जाएगा अधिक समय

नई दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही बुधवार को शाम छह बजे शुरू होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार शाम को सदन में इसकी घोषणा की है। ऐसा राज्यसभा को अधिक समय देने के लिए किया जा रहा है, ताकि लोकसभा से पारित विधेयकों को उच्च सदन से भी पारित कराया जा सके। कोरोना संक्रमण के चलते विपक्षी दलों की मांग के चलते बुधवार को ही मानसून सत्र के तय समय से पहले समाप्त होने की संभावना है। किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस समेत अधिकांश विपक्षी दलों ने संसद के दोनों सदनों के बहिष्कार का फैसला किया है और मंगलवार को भी उन्होंने पूरी कार्यवाही में हिस्सा नहीं लिया। ऐसे में सरकार के पास बिना किसी बाधा के विधायी कामकाज निपटाने का मौका है। साथ ही सांसदों को भी शून्यकाल के जरिए अपने मुद्दे उठाने के लिए ज्यादा मौका मिल रहा है। गौरतलब है कि लोकसभा बीते दो दिनों से आधी रात के बाद भी बैठकर काम कर रही है और इस दौरान उसने कई विधेयक पारित किए हैं। दूसरी तरफ बीते दो दिनों में राज्यसभा का कुछ समय खराब हुआ है। ऐसे में लोकसभा से पारित विधेयकों को पारित कराने के लिए उसे ज्यादा समय चाहिए। कोरोना काल में सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए दोनों सदनों की बैठकें दोनों सभा कक्षों में हो रही है। इसलिए राज्यसभा को सुबह नौ से दोपहर एक बजे तक व लोकसभा के लिए दोपहर बाद तीन बजे से सात बजे तक का समय दिया गया है। लोकसभा की कार्यवाही शाम को शुरू होने से राज्यसभा ज्यादा से ज्यादा एक घंटा ज्यादा ही काम कर पाती है, जबकि लोकसभा देर रात तक भी काम कर सकती है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी, केंद्र सरकार ने जारी किए दिशानिर्देश

नई दिल्ली। एक लाख करोड़ की लागत से बन रहे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर विश्व स्तरीय यात्री सुविधाएं मुहैया कराने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्र सरकार ने यात्री सुविधा केंद्र बनाने के लिए नए दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 260 यात्री सुविधा केंद्र स्थल की पहचान की गई है। इसी मॉडल को देश के दूसरे प्रस्तावित 23 नए एक्सप्रेस-वे पर लागू किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 20 अगस्त को नेशनल हाईवे और नए एक्सप्रेस-वे पर यात्री सुविधा केंद्र बनाने संबंधी दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। एनएचएआई ने कहा कि अप्रैल 1998 की नीति में सड़क यात्रियों की संख्या व राजस्व की सही जानकारी नहीं मिल पाती थी। हाईवे और नए एक्सप्रेस-वे के किनारे यात्री सुविधा केंद्रों के माध्यम से व्यवसाय को बढ़ाने के लिए इसमें बदलाव किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हाईवे और एक्सप्रेस-वे के सुविधा केंद्रों के दिशा निर्देश क्षेत्रफल के हिसब से पृथक हैं।

इसमें दो हेक्टेयर से कम क्षेत्रफल होने पर डेवलपर-निजी कंपनी को 15 साल की लीज पर एनएचएआई की भूमि दी जाएगी। इसकी समय सीमा 15 साल होगी। डेवलपर को सालाना लीज का किराया प्राधिकरण को देना होगा। सुविधा केंद्र पर निर्माण कार्य प्राधिकरण की ओर से कराया जाएगा। 15 साल बाद सुविधा केंद्र प्राधिकरण को वापस करना होगा। बाद में नीलामी होने के बाद उसे पुनः लीज पर दिया जाएगा। दो हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल होने पर लीज की अवधि 30 साल से अधिक होगी। और केंद्र पर निर्माण कार्य निजी कंपनी को कराना होगा। प्राधिकरण के साथ कंपनी की राजस्व में हिस्सेदारी सड़क यात्रियों की संख्या, कमाई और अन्य सुविधाओं के हिसाब से तय की जाएगी। प्रधिकरण का मुख्य कार्य सुविधा केंद्र के संचालन व विकास की निगरानी करना होगा। उन्होंने बताया कि इसके जरिये सरकार के पास सालाना करोड़ों रुपये राजस्व के रूप में आएगा। जिसे नए हाईवे-एक्सप्रेस-वे के निर्माण पर खर्च किया जाएगा।

2000 यात्री सुविधा केंद्र बनाने का प्रस्ताव–सरकार का नए एक्सप्रेस-वे व हाईवे के किनारे चरणबद्ध तरीके से कुल 2000 यात्री सुविधा केंद्र बनाने का प्रस्ताव तैयार है। अकेले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर प्रत्येक 50 किलोमीटर की दूरी पर यात्री सुविधा केंद्र बनाए जाएंगे।

मुंबई में भारी बारिश की वजह से जल सैलाब, रेलवे स्टेशन पर घंटों फंसे रहे लोग

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मंगलवार रात हुई भारी बारिश ने सड़कों पर जल सैलाब ला दिया है। मंगलवार रात को हुई तेज बारिश की वजह से मायानगरी के कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है। सियोन, गोरेगांव समेत कई इलाके पूरी तरह से जलमग्न हो चुके हैं। इतना ही नहीं, जलजमाव की वजह से सियोन रेलवे स्टेश पर कई यात्री फंसे हुए नजर आए। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, उपनगरीय मुंबई में मंगलवार को 23.4 मिमी की वर्षा देखी गई, जो सामान्य वर्षा से 129 प्रतिशत अधिक है। विभाग का मानना है कि मुंबई में आज यानी बुधवार को भी बादल छाए रहेंगे और तेज बारिश होगी। मुंबई में बुधवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। बारिश का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रेलवे ट्रैक तक डूब गए हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने कुछ तस्वीरें और वीडियो जारी की हैं, जिनमें देखा जा सकता है कि मायानगरी कैसे पूरी तरह से जलमग्न हो चुकी है। सड़कों पर घुटनों तक पानी है। गाड़ियों से लेकर लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। इस जलजमाव की वजह से आज मायानगरी की रफ्तार में ब्रेक लग सकती है।

सुशांत सिंह राजपूत मौत केसः सीबीआई, ईडी, एनसीबी के बाद अब हो सकती है एनआईए की एंट्री

ड्रग से संबंधित मामलों की जांच की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत केस में अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए की एंट्री हो सकती है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है. क्योंकि ड्रग से संबंधित मामलों की जांच के लिए केंद्र सरकार द्वारा अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी को मंजूरी दे दी गई है। सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े केस की एनआईए जांच का यह बड़ा कारण हो सकता है। आपको बता दें कि इस एजेंसी का गठन मूल रूप से आतंकवाद से संबंधित मामलों की जांच के लिए किया जाता है।

अगर इस केस की जांच एनआईए को सौंपी जती है तो तो केंद्रीय जांच ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के बाद एनआईए इस मामले में शामिल होने वाली चौथी एजेंसी बन जाएगी। वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी की, जिसमें कहा गया कि धारा 53 द नार्कोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के अनुसार, केंद्र राज्यों के साथ परामर्श करने के बाद एनआईए में निरीक्षकों के रैंक से ऊपर के अधिकारियों को शक्तियों का प्रयोग करने और कर्तव्यों का पालन करने के लिए आमंत्रित करता है। यह धारा सरकार को किसी भी अधिकारी को इस अधिनियम के तहत अपराधों की जांच के लिए एक पुलिस स्टेशन की शक्तियां प्रदान करने की अनुमति देती है। एनआईए की स्थापना 2008 के मुंबई सीरियल धमाकों के बाद एक साल के लिए की गई थी। खासतौर से देश भर में आतंकी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए। पिछले साल एनआईए

अधिनियम में संशोधन में, एजेंसी को मानव तस्करी, जाली नोट और साइबर आतंकवाद से संबंधित मामलों की जांच करने का अधिकार क्षेत्र भी दिया गया था, लेकिन मादक पदार्थों के मामले अभी भी इसके दायरे में नहीं थे। मंगलवार को इसका भी आदेश दे दिया गया। इस मामले के जानकार एक सरकारी अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि यह आदेश सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में चल रही जांच के दायरे का विस्तार कर सकता है, जहां ड्रग्स, मनी लॉन्ड्रिंग और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे उभरे हैं। एक दूसरे सरकारी अधिकारी ने कहा कि अधिसूचना का महत्व यह था कि ऐसे मामले जो पहले केवल एनसीबी के डोमेन थे, अब एनआईए द्वारा नियंत्रित किए जा सकते हैं। महाराष्ट्र के एक मंत्री से इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे फिलहहाल इसकी कोई जानकारी नहीं है। आपको बता दें कि 14 जून को अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत केस की जांच के लिए बिहार सरकार ने जैसे ही सीबीआई जांच की मांग की वैसे ही यह एक राजनीतिक मुद्दा बन गई है। बिहार सरकार की इस मांग की महाराष्ट्र सरकार ने आलोचना की। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और सर्वोच्च न्यायालय ने भी सीबीआई जांच की मंजूरी दे दी। इस केस में मौत के आसपास की परिस्थितियों की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है और ड्रग्स की एगल पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा जांच की जा रही है। अभिनेत्री और सुशांत की प्रेमिका रिया चक्रवर्ती एक कथित ड्रग सिंडिकेट में उनकी भूमिका और अभिनेता के लिए कथित रूप से ड्रग्स की खरीद के लिए हिरासत में हैं। ईडी जांच के मनी लॉन्ड्रिंग पहलुओं पर गौर कर रहा है। एडीजी (कानून व्यवस्था), जीपी सिंह ने कहा, यह विशेष रूप से आतंकी मॉड्यूल और ड्रग डीलरों के बीच बढ़ती संबंधों के प्रकाश में एक अच्छा कदम है। एनआईए अधिकारी नार्को-आतंकवाद अपराधों की प्रभावी जांच कर सकते हैं। राज्य पुलिस अधिकारियों की शक्तियों पर इसका कोई असर नहीं होगा।

पालघर हत्याकांड की हो सीबीआई और एनआईए से जांच, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने की सरकार से मांग

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पालघर में दो साधुओं की हत्या का मामला मंगलवार को संसद में उठाया गया। लोकसभा में भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने पालघर में अप्रैल में दो साधुओं और उनके चालक की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने की घटना के पीछे षड्यंत्र होने का आरोप लगाते हुए सीबीआई और एनआईए जैसी एजेंसियों से इसकी जांच कराने की मांग की। साध्वी प्रज्ञा ने शून्यकाल में इस विषय को उठाते हुए कहा कि पता लगाया जाना चाहिए कि वहां कोरोना वायरस महामारी के समय में भीड़ क्यों एकत्रित थी और निर्दोष साधुओं को क्यों मार दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस जगह उक्त घटना घटी, उस क्षेत्र में माकपा के लोगों का दबदबा है और पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आई हैं। गौरतलब है कि पालघर में दो साधुओं की हत्या के मामले में महाराष्ट्र पुलिस ने बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया था, जिसमें महाराष्ट्र पुलिस ने सीबीआई जांच की मांग का विरोध किया था। पुलिस ने कहा था कि याचिका खारिज करने के साथ याचिकाकर्ता पर जुर्माना भी लगाया जाना चाहिए। सीआईडी की जांच के बाद पुलिस पहले ही दो चार्जशीटें दायर कर चुकी है। बता दें कि यह घटना 16 अप्रैल को गडचिंचले गांव में हुई थी। दो साधु मुंबई से एक कार से अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने सूरत जा रहे थे। उनका चालक भी उनके साथ था। गांव में एक भीड़ ने उन्हें रोका और बच्चा चोर होने के संदेह में पीट-पीटकर हत्या कर दी थी।

बाइडेन बोले- भारतीय-अमेरिकियों ने अमेरिका के आर्थिक विकास को तेज किया

वाशिंगटन। अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा कि भारतीय अमेरिकियों ने अपनी कड़ी मेहनत और उद्यमिता के दम पर अमेरिका के आर्थिक विकास को तेज किया और देश में सांस्कृतिक गतिशीलता लाने में मदद की है।

चुनाव प्रचार के लिए निधि एकत्र करने के मकसद से आयोजित एक डिजिटल कार्यक्रम में बाइडेन ने भारतीय अमेरिकी सदस्यों और चंदा देने वाले लोगों को आश्वासन दिया कि वे एच-1बी वीजा और वैध आव्रजन संबंधी उनकी चिंताओं को दूर करेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय अमेरिकी समुदाय के लोगों ने किया था। उन्होंने कहा, सोचिए, इस समुदाय ने देश के लिए क्या किया है? इसके उद्यमी देशभर और दुनिया में कारोबार चला रहे हैं। ये उद्यमी और नवोन्मेषक सिलिकन वैली का आधार हैं और दुनिया में कुछ सबसे प्रभावशाली कंपनियों का नेतृत्व करते हैं। बाइडेन ने कहा, आपने इस देश में आर्थिक एवं सांस्कृतिक गतिशीलता लाने में मदद की। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर निशाना साधते हुए कहा कि एच-1बी वीजा, नस्ली अन्याय या जलवायु संकट को लेकर नुकसानदेह कदम सभी के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा, यह राष्ट्रपति चीजों को बेहतर नहीं बना रहे, बल्कि खराब कर रहे हैं। बाइडेन ने कहा कि अभिभावक यह सोचने लगे हैं कि क्या यहां उनके बच्चों को वह भविष्य मिल पाएगा, जिसका उन्होंने सपना देखा था। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति के तौर पर, मैं वादा करता हूं कि मैं चीजों को खराब नहीं, सर्वश्रेष्ठ बनाऊंगा, इस वैश्विक महामारी को मात दूंगा और अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लेकर आऊंगा, हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने में मदद करूंगा और यह सुनिश्चित करूंगा कि स्वास्थ्यसेवा कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि अधिकार है। मैं एक ऐसी आव्रजन प्रणाली बनाऊंगा जो हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत करे और हमारे मूल्यों को प्रतिबिम्बित करे। बाइडेन ने भारतीय-अमेरिकियों के सांस्कृतिक, सामाजिक एवं पारिवारिक मूल्यों की सराहना करते हुए कहा कि वह इसी कारण इस समुदाय को इतना अधिक महत्व देते हैं।

पाक सेना प्रमुख बाजवा और आईएसआई चीफ ने विपक्षी नेताओं के साथ की गुप्त बैठक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद ने बहुदलीय सम्मेलन से महज कुछ दिनों पहले प्रमुख विपक्षी नेताओं के साथ एक गोपनीय बैठक की और उनसे प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ अपने सियासी मतभेदों में सेना का नाम घसीटने से बचने को कहा। मीडिया में आई एक खबर में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। द डान की खबर के मुताबिक, बाजवा और हमीद ने यह बैठक 16 सितंबर को की, जिसमें नेशनल असेंबली में नेता प्रतिपक्ष शहबाज शरीफ और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी समेत करीब 15 नेता शामिल थे। खबर में कहा गया कि सत्र के लिए तय नियमों के मुताबिक बैठक का सार्वजनिक खुलासा नहीं किया जाना था। रेल मंत्री शेख राशिद ने बैठक और उसके भागीदारों की पुष्टि करते हुए कहा कि यह बैठक गिलगित-बाल्टिस्तान की संवैधानिक स्थिति में लंबित बदलाव पर चर्चा को लेकर हुई थी। भारत इस प्रस्तावित बदलाव का विरोध करता है। विपक्ष ने हालांकि इस मौके का इस्तेमाल अन्य मुद्दों को लेकर अपनी चिंताओं को जाहिर करने के लिए किया, जिनमें खास तौर पर सियासत में सेना के कथित दखल और जवाबदेही के नाम पर उसके नेताओं का उत्पीड़न शामिल था। खबर में कहा गया कि राशिद बैठक में शामिल होने वाले मंत्रियों में से एक थे। सियासी पर्यवेक्षक इस बैठक और इसके खुलासे के समय को रविवार को यहां हुए विपक्षी बहुदलीय सम्मेलन से जोड़कर देख रहे हैं जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने सेना की तीखी आलोचना करते हुए कहा था कि देश में सत्ता से भी बड़ी एक सत्ता है।

जम्मू कश्मीर के आख़िरी डोगरा शासक महाराजा हरिसिंह जी के जन्मदिवस पर जनरल ज़ोरावर सिंह ट्रस्ट ने

बच्चों के साथ मिलकर महाराजा जी का जन्मदिवस मनाया

रघुबीर ठाकुर, रियासी

जम्मू कश्मीर के आख़िरी डोगरा शासक महाराजा हरि सिंह जी के जन्मदिवस पर जनरल ज़ोरावर सिंह ट्रस्ट ने बच्चों के साथ मिलकर महाराजा जी का जन्मदिवस मनाया। जिस में उन की जिंदगी पर रोशनी डाली गयी। उनके द्वारा किये गए कार्यो को सांझा किया गया। ट्रस्टी दिक्षा और रिया कल्हुरिआ द्वारा महाराजा की उपलब्धिया बतायी गई। लड्डू बांटकर खुशी जाहिर की और साथ साथ सरकार से आग्रह किया गया कि 23 सितंबर को अवकाश दिवस के रूप में मनाया जाए क्योंकि यह डोगरा समाज की पुरानी मांग है! इस मौके पर चैयरमेन देवेंदर सिंह, राजु विजयपुरिया, राजकुमार शर्मा, कुल्दीप शर्मा, सुखदेव सिंह मजूद रहे।

भारत में अगले साल तक कोरोना वैक्सीन संभव, लेकिन टीकाकरण बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन अगले साल तक भारत में आ जाने की उम्मीद है, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती टीकाकरण को लेकर है। वैक्सीन सुरक्षा पर बनी विश्व स्वास्थ्य संगठन की ग्लोबल एडवायजरी कमेटी की सदस्य गगनदीप कांग ने मंगलवार को कहा कि देश के 1.3 अरब से ज्यादा लोगों तक सुरक्षित वैक्सीन पहुंचा पाना बड़ी उपलब्धि होगी। क्योंकि हमारे पर तमाम तरह की सुविधाओं व अनुभव की कमी है।

वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में माइक्रोबायोलॉजी की प्रोफेसर कांग ने ब्लूमबर्ग के साथ बातचीत में कहा-हमने महिलाओं-बच्चों को टीके लगाए पर वयस्कों के टीकाकरण का अभी अनुभव नहीं है। बुजुर्गों का टीकाकरण करने के लिए भी हमारे पास कोई आधारभूत संरचना नहीं है जबकि बुजुर्ग ही सबसे ज्यादा जोखिम में हैं, इसलिए इस पर जल्दी काम करना पड़ेगा। सभी उम्र के लोगों के लिए अलग-अलग इंतजाम कैसे किया जाएगा, यह बड़ी चुनौती होगी। प्रोफेसर जुलाई तक उस उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं जो वैक्सीन पर नजर रख रही थी।

अगले साल तक वैक्सीन संभव–गगनदीप ने बताया कि फिलहाल दुनियाभर में जिन वैक्सीन का परीक्षण आखिरी दौर में चल रहा है, उनके सफल होने का चांस 50-50 फीसदी है। इस साल के आखिर तक हमें डेटा मिल जाएगा, जिससे पता चलेगा कि कौन सी वैक्सीन असरदार हैं और कौन सी काम नहीं कर रहीं। अगर नतीजे अच्छे मिले तो 2021 की पहली छमाही तक हमें वैक्सीन मिलनी शुरू हो जाएगी। हालांकि, शुरुआत में डोज कम होंगी लेकिन दूसरी छमाही में बड़ी संख्या में वैक्सीन तैयार होने लगेंगी।

टीकाकरण में क्या-क्या चुनौतियां– भंडारण-वितरण– वैक्सीन का सुरक्षित भंडारण

एवं वितरण एक बड़ी समस्या होगी क्योंकि सिर्फ किसी खास इलाके में नहीं बल्कि पूरे देश में वैक्सीन की जरूरत है। इसके लिए काफी संख्या में प्रशिक्षित लोग चाहिए।

कम तापमान– फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अभी बन रही ज्यादातर वैक्सीन को -70 डिग्री सेल्सियस पर रखना जरूरी है जबकि भारत में ज्यादातर कोल्ड चेन -30 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान पर ही कार्यरत। सिर्फ जिनोवा बायोफार्मा के पास ही -70 डिग्री के तापमान पर स्टोर करने की क्षमता है।

टेस्ट पर सवाल– भारत ज्यादातर एंटीजन टेस्ट हो रहे जो 50 फीसदी तक झूठे भी हो सकते हैं। इस लिहाज से हमारे पर सही डाटा नहीं होगा जो बाधा पैदा करेगा।

संक्रमण की दर– देश में अभी भी आठ फीसदी की पॉजीटिविटी दर, संक्रमण में लगातार कोई कमी देखने को नहीं मिल रही, इससे मरीजों की संख्या बढ़नी तय है।

टीकाकरण के लिए अभी से तैयारी शुरू– सरकार ने टीकाकरण की अभी से तैयारी शुरू कर दी है। टीकाकरण कार्यक्रम से जुड़े लोगों को भी सतर्क कर दिया गया है। भारतीय कोल्ड चेन ऑपरेटर टीकों की सुगम डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए एक कुशल लॉजिस्टिक नेटवर्क तैयार करने में जुट गए हैं। इससे जुड़े अधिकारियों ने बताया कि देश में उपलब्ध सभी कोल्ड चेन व वेयरहाउस को इसमें शामिल किया जाएगा और यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम (यूआईपी) के तहत एक साथ एक बड़े हिस्से को टीका उपलब्ध कराया जाएगा। स्नोमैन लॉजिस्टिक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील नायर ने एक साक्षात्कार में बताया कि हमारे पास पर्याप्त क्षमता उपलब्ध नहीं है। इसलिए, प्रत्येक शहर में ऐसी कंपनियों की तलाश करनी होगी, इनमें तमाम निजी कंपनियां भी शामिल होंगी, जिनके पास कोल्ड स्टोरेज की सुविधा है और जो वितरण का ख्याल रख सकते हैं। बता दें कि स्नोनैन लॉजिस्टिक्स भारत का सबसे बड़ा कोल्ड चेन नेटवर्क है।

न्यूज. ब्रीफ

फ्रेंच ओपन से पहले एक महिला खिलाड़ी निकली पॉजिटिव

पेरिस। फ्रेंच ओपन से ठीक पहले कोरोना महामारी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। क्वालीफाइंग दौर से पहले एक महिला खिलाड़ी कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पायी गयी है जिसे अब टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है पर फ्रेंच टेनिस महासंघ ने इस खिलाड़ी का नाम नहीं बताया है। इस महिला खिलाड़ी को सात दिनों के लिए पृथकवास पर भेज दिया गया है। इससे पहले महासंघ ने कहा था कि पांच अन्य खिलाड़ियों को क्वालीफाइंग से हटा दिया गया है। इनमें से दो पॉजिटिव पाए गए थे जबकि तीन अन्य जिस कोच के करीबी संपर्क में थे वह पॉजिटिव पाया गया था जिसके बाद इन सभी को हटाकर पृथकवास में भेज दिया गया है। कोरोना महामारी के कारण इस बार फ्रेंच ओपन तीन महीने की देरी से हो रहा है।

युवा देवदत्त ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए मुकाबले में नए सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। आईपीएल के पहले ही मैच में पडिक्कल को पारी की शुरूआत के लिए भेजा गया। पडिक्कल पहले ओवर में थोड़े नर्वस दिखे. पर दूसरे ओवर में ही उन्होंने रन बनाने शुरु कर दिये। पडिकल्ल ने 56 रनों की अपनी पारी में 42 गेंदें खेली और 133 का स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाये। इस दौरान उन्होंने 8 चौके लगाये। पडिक्कल का ये चौथा डेब्यू मैच था. फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए, घरेलू टी20 के बाद अब आईपीएल में उन्होंने अर्धशतक लगाया था। पडिक्कल अंत में अंत विजय शंकर का शिकार बने। विजय ने उन्हें बोल्ड कर दिया। पडिकल्ल को क्रिकेटर बनाने में उनके पिता का भी अहम योगदान रहा। व न्यूजीलैंड के दूतावास में अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर अपेन बेटे को क्रिकेटर बनाने के लिए बेंगलुरु जाकर रहने लगे थे।

हैदराबाद टीम की मुश्किलें बढ़ीं, मार्श के बाद राशिद भी हुए चोटिल

दुबई। सनराइजर्स हैदराबाद टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। आलराउंडर मिशेल मार्श के बाद टीम के स्टार लैग स्पिनर राशिद खान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय चोटिल हो गए थे। राशिद को काफी गंभीर चोटें लगी है और ऐसे में उनका आने वाले मैचों में खेलना संदिग्घ नजर आता है। टीम प्रबंधन राशिद की चोट पर नजर रख रही है हैदराबाद की पारी के 17वें ओवर में राशिद और अभिषेक शर्मा क्रीज बल्लेबाजी कर रहे थे। ओवर की आखिरी गेंद पर दो रन लेने के प्रयास में दोनों बल्लेबाज आपस में टकरा गये और इस टक्कर में राशिद गिर पड़े जिससे उन्हें काफी चोटें भी आई हैं राशिद 5 गेंदों पर 6 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले गेंदबाजी करते हुए मार्श का टखना मुड़ गया और वह लड़खड़ाते हुए मैदान से बाहर निकले। इसके बाद उनके ओवर की बची हुई दो गेंदे विजय शंकर ने फेंकीं। सिर्फ चार गेंद फेंकने वाले मार्श इससे पहले भी अपने करियर के दौरान चोटों से परेशान रहे हैं। अब आगे के मैचों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है।

फ्रेंच ओपन से बाहर हुए सुमित , प्रज्नेश अगले दौर में पहुंचे

पेरिस। भारत के युवा खिलाड़ी सुमित नागल फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वॉलिफायर में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। नागल को पुरुष एकल वर्ग के क्वॉलिफायर मुकाबले में जर्मनी के डस्टीन ब्राउन ने 6-7 (4) 5-7 से हराया। नागल इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में एक घंटे और 47 मिनट में हार गये। वह इस महीने की शुरूआत में ही अमेरिका ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे थे और सात साल में वह पहले ऐसे भारतीय थे, जो अमेरिका ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे थे। वहीं भारत के ही प्रज्नेश गुणेश्वरण अपना क्वॉलिफायर्स मुकाबला जीतने में सफल रहे हैं। गुणेश्वरण ने अपने क्वॉलिफायर्स मुकाबले में तुर्की के सेम इकेल को 6-3, 6-1 से शिकस्त दी। इसके अलावा पुरुष एकल वर्ग में भारत के रामकुमार रामनथान स्थानीय खिलाड़ी ट्रिस्टेन लमासिन से अपना क्वॉलिफायर्स मुकाबला खेलेंगे जबकि महिला वर्ग में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी अंकिता रैना उतरेंगी।

प्रसिद्ध पर्वतारोही रीता शेरपा का निधन

काठमांडू। नेपाल के प्रसिद्ध पर्वतारोही अंगरीता शेरपा का निधन हो गया है। शेरपा 72 साल के थे। विश्व के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट एवरेस्ट पर ऑक्सीजन सिलेंडर के बिना ही 10 बार चढ़ने का रिकार्ड इस पर्वतारोही के नाम है। वह लीवर सहित कई अन्य बीमारियों से पीड़ित थे। नेपाल पर्वतारोहण संघ के सचिव टीकाराम गुरुंग ने कहा, अंगरीता शेरपा एक महान पर्वतारोही थे जिन्होंने 1983 से 1996 के बीच 10 बार ऑक्सीजन सिलेंडर के बिना माउंट एवरेस्ट को फतह किया था।। इस दिग्गज पर्वतारोही को प्रतिष्ठित गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड प्रमाण पत्र से भी सम्मानित किया गया था। उन्हें यह सम्मान ऑक्सीजन सिलेंडर के बिना ही 8,848 मीटर ऊंची माउंट एवरेस्ट पर सबसे ज्यादा पर सफलतापूर्वक फतह करने के लिए दिया गया था।

बर्मिंघम में इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में एस्टन विला के इजरी कोनस ने पहला गोल किया।

एबी डीविलियर्स ने एम एस धोनी को पीछे छोड़ा

दुबई ■ एजेंसी

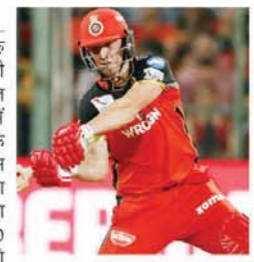

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज एबी डीविलियर्स ने आईपीएल के 13 वें सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। डीविलियर्स ने 30 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 51 रन बनाए। डीविलियर्स ने इस पारी के साथ ही अपना 34वां अर्धशतक लगाया। इसके साथ ही डीविलियर्स ने आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को भी पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल में अब तक सबसे ज्यादा 5426 रन विराट कोहली के नाम हैं जबकि दूसरे नंबर पर सुरेश रैना हैं। रैना के 5368 रन हैं, रोहित शर्मा 4910 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। वहीं 4432 रनों के साथ ही महेन्द्र सिंह धोनी आठवें और 4446 रनों के साथ ही एबी डी-विलियर्स सातवें नंबर पर पहुंच गये हैं। अर्धशतकों की बात की जाये तो सबसे ज्यादा 44 अर्धशतक डेविड वार्नर के नाम है जबकि 34 अर्धशतकों के साथ ही डीविलियर्स सातवें स्थान पर हैं। इस सूची में वह अकेले दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी हैं।

आईपीएल 2020: मुंबई पहला मैच हारने के बाद टूर्नामेंट में पहली जीत के इरादे से उतरेगी

मुंबई के खिलाफ पहला मैच खेलने उतरेगी केकेआर

अबुधाबी ■ एजेंसी

अपने पहले मैच में चेन्नई सपुर किंग्स के खिलाफ पांच विकेट से मात खाने वाली मौजूदा विजेता मुंबई इंडियंस आईपीएल के 13वें सीजन के अपने दूसरे मैच में बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शेख जायेद स्टेडियम में उतरेगी। दिनेश कार्तिक की कप्तानी वाली केकेआर का यह इस सीजन का पहला मैच है। दोनों टीमों के बीच आईपीएल में अब तक कुल 25 मैच खेले गए हैं, जिसमें मुंबई ने 19 औ कोलकाता ने 6 मैच जीते हैं।

मुंबई को चेन्नई से हार मिली थी। सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने टीम को अच्छी शुरूआत दी थी लेकिन सौरव तिवारी को छोड़कर मुंबई का मध्य क्रम अच्छी शुरूआत को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाया था। तिवारी ने 31 गेंदों पर 42 रनों की पारी खेली थी। परिणामस्वरूप मुंबई की टीम 20 ओवरों में नौ विकेट खोकर 162 रन ही बना सकी थी। इसके बाद उसके गेंदबाज चेन्नई के बल्लेबाजों से इन रनों का बचाव नहीं कर पाए थे। फाफ डु प्लेसिस और अंबाती रायडू ने मिलकर टीम की जीत की कहानी गढ़ी थी। मध्य क्रम में हार्दिक पांड्या, केरन पोलार्ड जैसे आक्रामक बल्लेबाजों के होने के बाद भी मुबंई का मध्य क्रम आसानी से ढेर हो गया था। टीम प्रबंधन निश्चित तौर पर चाहेगा कि केकेआर के खिलाफ टीम इस गलती को सुधारे। मुंबई के गेंदबाजों ने शुरूआत में अच्छा किया था और छह रनों पर ही चेन्नई के दो विकेट गिरा दिए थे। बल्लेबाजों की तरह गेंदबाज भी अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा पाए थे। स्लोग ओवरों में उन्हें रन रेट को कम करने की जरूरत थी लेकिन यहां उन्होंने आसानी से रन लुटाए। इस बार अगर गेंदबाज सफल होते हैं तो विपक्षी टीम पर दबाव होगा। एक बार फिर कप्तान रोहित शर्मा और डी कॉक पारी की शुरूआत करते दिखाई देंगे। जहां तक लगता है, टीम प्रबंधन प्लेइंग-11 में बदलाव नहीं करेगा। मुंबई के गेंदबाजों ने ज्यादा रन खर्च तो नहीं किए थे लेकिन जसप्रीत बुमराह एक ऐसे गेंदबाज थे जिन्हें मार पड़ी थी। अगर मुंबई को वापसी करनी है बुमराह को अच्छा करना होगा। कोलकाता को देखा जाए तो आखिरी बार जब यूएई में आईपीएल हुआ था (भारत के साथ सह-मेजबानी) तब कोलकाता ने खिताब अपने नाम किया था। उसने पंजाब को आखिरी ओवर में मात दे ट्रॉफी उठाई थी। इस बार कोलकाता ने अपने अनुभवी खिलाड़ियों क्रिस लिन, रोबिन उथप्पा, पीयूष चावला को रिलीज कर दिया है और पैट कमिंस, इयोन मोर्गन, टॉम बेंटन को अपनी टीम में लाए हैं। कोलकाता के बल्लेबाजी आक्रमण में नीतीश राणा और शुभमन गिल जैसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं। अपनी बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए फ्रेंचाइजी ने टॉम बेंटन को भी टीम में शामिल किया है। बेंटन क्या कर सकते हैं यह उन्होंने बिग बैश लीग में बताया है। वहीं आंद्रे रसेल के रहते केकेआर का मध्य क्रम खतरनाक लग रहा है। इंग्लैंड के मोर्गन के आने से इसे मजूबती मिली है। सुनील नारायण, टॉम बेंटन या गिल के साथ पारी की शुरूआत कर सकते हैं। यह तीनों टीम को तेज शुरूआत देने में समर्थ हैं। पिछले संस्करणों में देखा गया है कि केकेआर की सफलता काफी हद तक स्पिनरों पर निर्भर करती है और टीम के स्पिन अटैक में नारायण, कुलदीप यादव, वरुण चक्रव्रर्ती के नाम हैं। वरुण ने अभी तक आईपीएल में एक भी मैच नहीं खेला है। इसलिए स्पिन की ज्यादा जिम्मेदारी कुलदीप और नारायण पर रहेगी। क्रिस ग्रीन के रूप में कोलकाता के पास एक और विकल्प है, लेकिन कम अनुभव के कारण उन्हें शायद ही मौका मिले। 2019 संस्करण खराब रहने के बाद कोलकाता ने अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत किया है। इस बार टीम ने पैट कमिंस को शामिल किया है। लॉकी फर्ग्यूसन, कमलेश नागरकोटी और शिवम मावी उनके पास तेज गेंदबाजी में विकल्प हैं। कोलकाता इस बार अमेरिका से अली खान को लेकर आई है। उन्होंने कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में अच्छा किया था। कागजों पर देखा जाए तो मुंबई की टीम कार्तिक की टीम पर हावी दिख रही है। दोनों टीमों ने अभी तक कुल 25 मैच खेले हैं जिसमें से मुंबई ने 19 मैच जीते हैं। परिस्थिति और बदले हुए मैदान में कोलकाता कुछ भी करने में समर्थ है।

टीमें (सम्भावित)

मुंबई इंडियंस: रोहित शर्मा (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, सौरव तिवारी, क्विंटन डी कॉक, हार्दिक पांड्या, कीरोन पोलार्ड, कृणाल पांड्या, जसप्रीत बुमराह, राहुल चाहर, ट्रेंट बोल्ट, जेम्स पैटिनसन।

कोलकाता नाइट राइडर्स: दिनेश कार्तिक (कप्तान), आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, कुलदीप यादव, शुभमन गिल, नीतीश राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कमलेश नागरकोटी, पैट कमिंस, इयोन मोर्गन।

मुंबई इंडियंस का मजबूत पक्ष

मुंबई इंडियंस की टीम काफी बैलेंस्ड नजर आ रही है, टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का परफेक्ट मिक्सचर है। टीम का बैटिंग लाइन-अप काफी मजबूत नजर आता है। कप्तान रोहित शर्मा, क्विंटन डिकॉक, सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी जहां टॉप ऑर्डर को मजबूत करते हैं। हार्दिक पांड्या, क्रुणाल पांड्या और कीरोन पोलार्ड के रूप में मुंबई इंडियंस के पास कुछ धांसू ऑल-राउंडर्स हैं, जो जरूरत पड़ने पर पहले भी फिनिशर की भूमिका बखूबी निभा चुके हैं। जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले पेस अटैक में ट्रेंट बोल्ट, मिशेल मैक्लिनेगन और पैटिंसन शामिल हैं, जो टीम को मजबूती देते हैं।

कमजोर पक्ष

टीम के पास राहुल चाहर, जयंत यादव के रूप में स्पेशलिस्ट स्पिनर हैं, जबकि क्रुणाल पांड्या भी अपनी स्पिन गेंदबाजी से प्रभावित कर चुके हैं। इस बार टूर्नामेंट यूएई में खेला जा रहा है, ऐसे में पिच स्पिनरों की मददगार रहेगी और यही एक पक्ष है जो मुंबई इंडियंस का कमजोर नजर आ रहा है। इसके अलावा टीम को मलिंगा की कमी जरूर खलेगी, जो पिछले कई सालों से टीम का अहम हिस्सा रहे हैं।

मोर्गन-कमिंस जैसे बड़े नामों वाली केकेआर के साथ है ये समस्या

दो बार आईपीएल खिताब पर कब्जा जमा चुकी कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम बीते पांच सीजन से सूखे की मार झेल रही है. ऐसा नहीं है कि टीम में प्रतिभा की कमी है, लेकिन सही वक्त पर अहम खिलाड़ियों के फ्लॉप रहने का खामियाजा इस टीम को भुगतना पड़ा है. 2014 से अब तक ये टीम पांच में से तीन बार प्लेऑफ तक पहुंच चुकी है. इसे इस टीम की बदकिस्मती ही कहेंगे कि शानदार प्रदर्शन के बावजूद अहम मौकों पर खिलाड़ी अपनी छाप छोड़ने में फेल हुए. आईपीएल 2019 के दौरान पूरी टीम फ्लॉप नजर आई. ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अकेले अपने दम पर टीम को पांचवें स्थान तक पहुंचाने में सफल रहे. खराब कप्तानी के साथ-साथ दिनेश कार्तिक निजी तौर पर भी बीते सीजन में अच्छा प्रदर्शन कर पाने में विफल रहे थे. इसके बावजूद भी टीम मैनेजमेंट ने आगामी सीजन के लिए कार्तिक पर ही भरोसा जताया है.

कोलकाता नाइटराइडर्स के मजबूत पक्ष

आईपीएल 2020 से पहले ऑक्शन के दौरान कोलकाता नाइटराइडर्स टीम मैनेजमेंट ने कई बड़े नामों को टीम का हिस्सा बनाया. इंग्लैंड को 50 ओवरों का विश्व कप 2019 जिताने वाले कप्तान इयोन मार्गन इस सीजन में केकेआर की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे. कार्तिक की कप्तानी पर बीते सीजन में काफी सवाल उठे थे. मजबूत नेतृत्व क्षमता वाले मोर्गन इस सीजन में उनकी मदद करते दिखेंगे. वहीं, इस फ्रेंचाइजी ने सर्वाधिक 15.5 करोड़ रुपये खर्च कर दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज पैट कमिंस को भी टीम के साथ जोड़ा है. टीम के पास बल्लेबाज शुबमन गिल के अलावा युवा प्रतिभा के रूप में कमलेश नागरकोटी जैसे खिलाड़ी मौजूद हैं.

कोलकाता नाइटराइडर्स का कमजोर पक्ष

आंद्रे रसेल और दिनेश कार्तिक के बीच बीते सीजन में संवादहीनता की कमी साफ नजर आई थी. रसेल पूरे सीजन के दौरान अपने दम पर अकेले टीम को मैच जिताते रहे. प्रेस ब्रीफिंग के दौरान रसेल खुलकर कार्तिक के निर्णयों की आलोचना करते भी दिखे. दरअसल, वो प्लेइंग इलेवन के क्रम में कुछ बदलाव चाहते थे. जिसे कार्तिक लगातार नजरअंदाज करते रहे. बड़े खिलाड़ियों के बीच तालमेल की कमी इस सीजन में भी कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए घातक साबित हो सकती है.

हमें नहीं पता किस लिए ट्रेनिंग कर रहे हैं: मिताली

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय महिला वनडे टीम की कप्तान मिताली राज का कहना है कि टीम भविष्य के कार्यक्रमों को लेकर चिंतित है और उन्हें नहीं पता कि वे किस लिए ट्रेनिंग कर रही हैं। कोरोना वायरस के कारण खेल गतिविधियां प्रभावित हुई थी और अभी भी महिला टीम के कार्यक्रम को लेकर कोई फैसला लिया नहीं ला जा सका है। पुरुष टीम हालांकि आईपीएल के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में है जबकि वर्ष के आखिर में उनका ऑस्ट्रेलिया दौरा भी होना है। लेकिन महिला टीम के दौरे को लेकर फिलहाल निर्णय नहीं हुआ है। मिताली ने कहा, भविष्य को लेकर टीम चिंतित है क्योंकि अभी हमें नहीं पता कि हम किस लिए ट्रेनिंग कर रहे हैं। इसके लिए एक उद्देश्य की जरुरत है। इससे पहले अगर हमें कोई अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलनी होती थी और वो विदेशी दौरा होता था तो हम उसके अनुरुप तैयारी करते थे। अगर घरेलू सीरीज होती थी तो उस हिसाब से तैयारी करते थे लेकिन अभी हमें नहीं पता कि हम किस लिए ट्रेनिंग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, कई बार हमें लगता है कि अगर कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट, अंतरराष्ट्रीय सीरीज या घरेलू कार्यक्रम नहीं है तो ट्रेनिंग करने का कोई उद्देश्य ही नहीं है। लेकिन इस दौरान एक सकारात्मक बात यह हुई है कि हमें धीरे-धीरे बेहतर सुविधा मिल रही है। वनडे कप्तान ने कहा, लेकिन यहां भी समय की पाबंदी आ गयी है। इससे पहले हम जाकर बल्लेबाजी करते थे और हमारे पास 15-15 नेट गेंदबाज होते थे और हम एक से दो घंटे तक बल्लेबाज कर सकते थे। मिताली ने कहा, लेकिन अभी आपको समय के साथ सब करना होगा और हो सकता है कि नेट गेंदबाजों की संख्या भी घट जाएं और दो-तीन गेंदबाज ही मौजूद हो। यह परिवर्तन है जिसे मौजूदा खिलाड़ियों को स्वीकार करना है। लेकिन मुझे लगता है कि एक समय हम मैच खेलेंगे और इसलिए टीम के खिलाड़ी अपनी फिटनेस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

जोकोविच ने इटालियन ओपन जीता

रोम ■ एजेंसी

सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने डिएगो श्वार्ट्जमैन को 7-5,6-3 से हराकर इटालियन ओपन का टेनिस खिताब जीत लिया है। इससे 27 सितंबर से शुरू हो रहे फ्रेंच ओपन टेनिस के लिए श्वार्ट्जमैन का मनोबल बढ़ गया है। जोकोविच को इससे पहले अमेरिकी ओपन में एक लाइन जज के गले पर गेंद मारने के कारण बाहर कर दिया गया था। उसको लेकर विश्व के इस नंबर एक खिलाड़ी ने कहा कि मैंने अमेरिकी ओपन में मानसिक तनाव के कारण जो कुछ भी हुआ उसके चार पांच दिनों तक मैंने काफी उतार चढाव झेला है। उससे मैं बेहद निराश था पर अब मैं उसे भूलकर आगे बढ गया हूं। वहीं महिला वर्ग के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त रोमानिया की सिमोना हालेप ने यहां अपना पहला खिताब जीता है। हालेप के साथ फाइनल मुकाबले में गत विजेता कैरोलिना प्लिसकोवा ने बाईं जांघ में चोट के कारण कोर्ट छोड़ दिया था। उस समय हालेप मैच में 6-0, 2-1 से आगे थी।

सेबी ने सोशल स्टॉक एक्सचेंज को लेकर तकनीकी समूह का गठन किया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने सोशल स्टॉक एक्सचेंज को लेकर कायदा कानून तैयार करने के लिए एक तकनीकी समूह का गठन किया है। समूह गैर-लाभकारी संगठनों और लाभ कमाने वाले उपक्रमों को जोड़ने समेत वित्तीय और संचालन से जुड़ी खुलासों की जरूरत के बारे में अपनी सिफारिशें देगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक बयान में कहा कि समूह प्रदर्शन से संबंधित खुलासे की जरूरत के बारे में भी अपने सुझाव देगा। साथ ही सामाजिक प्रभाव और सामाजिक लेखा परीक्षा से संबंधित पहलुओं पर विचार करेगा। नियामक ने नाबार्ड के पूर्व चेयरमैन हर्ष कुमार भानवाला की अध्यक्षता में तकनीकी समूह का गठन किया है। समूह के अन्य सदस्यों में अशोक यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर सोशल इम्पैक्ट एंड फिलेनथ्रोपी के संस्थापक निदेशक इनग्रिड श्रीनाथ, गाइडस्टार के सीईओ पुष्प अमन सिंह और केपीएमजी के भागीदार और प्रमुख (सस्टेनेबिलिटी और सीएसआर परामर्श) संतोष जयराम, ओमिदयार नेटवर्क इंडिया (सोशल इम्पैक्ट इनवेस्टर) की प्रबंध निदेशक रूपदा कुदवा, नाबार्ड के उप-प्रबंध निदेशक शाजी कृष्णन, आईसीएआई के संजीव सिंघल शामिल हैं। इसके अलावा बीएसई, एनएसई और सेबी के प्रतिनिधि भी इसमें शामिल हैं। इससे पहले, सेबी ने इशात हुसैन की अध्यक्षता में सोशल स्टॉक एक्सचेंज के लिए एक कार्य समूह का गठन किया था जिसने अपनी रिपोर्ट एक जून, 2020 को सौंप दी। समूह की सिफारिशों में गैर-लाभकारी संगठनों और लाभ कमाने वाले उपक्रमों को सोशल स्टॉक एक्सचेंज में शामिल करने की बात शामिल है।

बाजार — **सेंसेक्स 300 अंक लुढ़का, निफ्टी 11,200 के नीचे बंद**

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई ■ एजेंसी

एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख के बीच बाजार में अच्छी दखल रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी और मारुति के शेयरों में गिरावट के साथ बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 300 अंक लुढ़क गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 300.06 अंक यानी 0.79 प्रतिशत टूटकर 37,734.08 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 96.90 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11,153.65 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में मारुति रही। कंपनी का शेयर करीब 3 प्रतिशत नीचे आया। इसके अलावा जिन अन्य प्रमुख शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें एल एंड टी, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी, रिलायंस इंडसट्रीज, एशियन पेंट्स और एचडीएफसी शामिल हैं। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में एचसीएल टेक, टीसीएस, सन फार्मा और टेक महिंद्रा शामिल हैं। आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख (फंडामेंटल) आनंद राठी ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण फिर से पाबंदी लगाये जाने की चिंता के बीच दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों में बिकवाली हुई जिसके कारण भारतीय बाजार में भी गिरावट आयी। कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों से पहले से नरम पड़ी आर्थिक स्थिति में पुनरूद्धार को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि दोपहर के कारोबार में बाजार में थोड़े समय के लिये सुधार देखने को मिला लेकिन दुनिया के अन्य बाजारों में बिकवाली जारी रहने से यह स्थिति बरकरार नहीं रह पायी। वैश्विक स्तर पर एशिया के अन्य बाजारों में चीन में शंघाई, हांगकांग और दक्षिण कोरिया का सोल नुकसान के साथ बंद हुए। हालांकि यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में सकारात्मक रुख रहा। इस बीच वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 41.98 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ 73.58 पर बंद हुआ।

संबल योजना ने संकट के समय जरूरतमंदों को बड़ा सहारा दिया है : श्रीमती इमरती देवी

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने हितग्राहियों को सौंपे अनुग्रह सहायता राशि के स्वीकृति पत्र

ग्वालियर। असहायों एवं गरीबों को संकट के समय सहारा देने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना चलाई जा रही है। हम सभी का दायित्व है कि कोई भी पात्र परिवार इस योजना से वंचित न रह जाए। यह बात प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने कही। श्रीमती इमरती देवी डबरा के कम्युनिटी हॉल में आयोजित हुए कार्यक्रम में संबल योजना के हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि के स्वीकृति पत्र वितरित कर रही थीं। ॅमहिला-बाल विकास मंत्री ने इस अवसर पर डबरा ग्रामीण एवं नगर पालिका क्षेत्र के 14 हितग्राहियों को अनुग्रह राशि के स्वीकृति पत्र सौंपे। साथ ही सभी हितग्राहियों को भरोसा दिलाया कि सरकार की अन्य योजनाओं के तहत उन्हें लाभान्वित कराया जायेगा। उन्होंने कहा संबल योजना के तहत पंजीकृत परिवार के मुखिया की सामान्य मृत्यु पर 2 लाख व दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपए की अनुग्रह राशि सीधे आश्रित सदस्य के खाते में पहुँचाई जाती है। ज्ञात हो गरीब कल्याण पखवाड़े के तहत प्रदेशव्यापी कार्यक्रम मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में बुधवार को भोपाल के मिंटो हॉल में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संबल योजना के तहत प्रदेश के 3 हजार 700 हितग्राहियों के खातों में 80 करोड़ रूपए की अनुग्रह राशि अंतरित की। जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. विजय दुबे ने इस अवसर पर जानकारी दी कि जनपद पंचायत डबरा के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में निवासरत संबल योजना के तहत 231 हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है। इसी तरह नगर पालिका डबरा के अंतर्गत 103 हितग्राहियों को सहायता दी गई है। डबरा में आयोजित हुए कार्यक्रम में जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. विजय दुबे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी डबरा श्री प्रदीप भदौरिया एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुलदीप श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

आधी रात चहारदीवारी तोड़कर आंगन में घुसी तेज रफ्तार कार 2 की मौत, 7 लोग घायल

ग्वालियर। ग्वालियर के महाराजपुरा क्षेत्र के भिंड रोड पर मंगलवार देर रात एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सड़क किनारे बने मकान की चहारदीवारी तोड़ते हुए आंगन में जा घुसी। इस हादसे में कार में सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि उनके तीन साथी और आंगन में सो रहे परिवार के सदस्यों सहित सात लोग घायल हो गए। इनमें से तीन की हालत गंभीर हैं। कार आगरा निवासी अलका मिश्रा के नाम पर है। भिंड रोड पर एयरफोर्स स्टेशन के पास पूर्व सरपंच वीरेंद्र सिंह गुर्जर का मकान है। रात 12.30 बजे के करीब यूपी 80 ईजेड 7853 नंबर की कार मकान की बाउंड्री तोड़कर आंगन में घुस गई। पूर्व सरपंच का परिवार मकान की ऊपरी मंजिल पर था, जबकि आंगन में उनके किराएदार के परिवार सो रहे थे। कार ने आंगन में सो रहे पप्पू और उसके परिवार को खटिया सहित टक्कर मारते हुए वहां खड़ी कार को टक्कर मारी और फिर ट्रैक्टर से टकराकर पलट गई। बेकाबू कार से घायल होने वालों में वीरेंद्र गुर्जर के मकान में किराए पर रहने वाला पप्पू अहिरवार, उसकी पत्नी केशकली, दो बेटियां रानी और पुन्ना शामिल हैं। साथ ही कार में सवार दीपक पाल निवासी पिंटो पार्क, अभिषेक पवैया थाटीपुर और नरेंद्र राठौर गंभीर रूप से घायल हैं। इनके दो साथियों राघवेंद्र राणा पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी मुरार और यशकांत पुत्र हरिप्रकाश त्रिपाठी निवासी पिंटो पार्क को अस्पताल में डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिये क्रांतिकारी योजनायें बनाईं : श्री कुशवाह

उद्यानिकी राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार ने 30 हितग्राहियों को 76 लाख की अनुग्रह राशि के स्वीकृति पत्र सौंपे

ग्वालियर। प्रदेश सरकार ने गरीब, असहाय एवं किसानों के कल्याण के लिए क्रांतिकारी योजनायें शुरू की हैं। ये योजनायें जरूरतमंदों की मजबूत सहारा बनी हैं। यह बात उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना के तहत विकासखंड मुरार के हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि वितरित करते हुए कही। गरीब कल्याण पखवाड़े के तहत जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुए कार्यक्रम में श्री कुशवाह ने 30 हितग्राहियों को 76 लाख रूपए की अनुग्रह राशि के स्वीकृति पत्र सौंपे। यह राशि संबंधित हितग्राहियों के खातों में अंतरित की गई है। ज्ञात हो गरीब कल्याण पखवाड़े के तहत प्रदेशव्यापी कार्यक्रम मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में बुधवार को भोपाल के मिंटो हॉल में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संबल योजना के तहत प्रदेश के 3 हजार 700 हितग्राहियों के खातों में 80 करोड़ रूपए की अनुग्रह राशि अंतरित की। उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बंद पड़ी संबल योजना को फिर से शुरू कर गरीबों के आँसू पोंछे हैं। साथ ही उन्हें संकट के समय इस योजना के माध्यम से बड़ी आर्थिक मदद दिलाई है। इस अवसर पर पंचायतराज संस्थाओं के प्रतिनिधिगण सहित जनपद पंचायत मुरार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजीव मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं अनुग्रह राशि प्राप्त करने वाले हितग्राही मौजूद थे।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने वार्ड-9 में 83 लाख के विकास कार्यों का किया भूमि पूजन

ग्वालियर। प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वार्ड 9 में 83 लाख के विकास कार्यों का भूमि पूजन करते हुए कहा कि मैने आमजन से क्षेत्र के विकास का वादा किया था, अब वह पूरा होने जा रहा है क्षेत्र में विकास कार्य बहुत ही तेजी से कराये जा रहे हैं। आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो यही मेरा प्रयास रहता है।

प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वार्ड 9 में महाराणा प्रताप स्कूल वाली गली में सीसी रोड लागत लगभग 4 लाख, रानीपुरा मोहल्ला नई बस्ती में सीसी सड़क व नाली निर्माण लागत 35 लाख 85 हजार, पशु अस्पताल चार बाबा मंदिर वाला क्षेत्र व जनता स्कूल नगमा बेगम वाली गली में सीसी व नाली निर्माण लागत 12 लाख 60 हजार, राजामंडी अथाई के पास रामबाबू चक्की के सामने सीसी रोड व नाली निर्माण लागत 14 लाख 15 हजार एवं बेताल सिंह की चक्की से मद्दी का बाजार राजामंडी चैराहे तक एवं प्रजापति मोहल्ला में 16 लाख 43 हजार की लागत सीसी एवं नाली निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा क्षेत्र में विकास की गंगा बहा दी है। ट्रीपल आईटीएम से फूलबाग तक एलीवेटेड रोड, चार शहर का नाका से सागरताल तक डिवाइडर, हजीरा से चार शहर का नाका तक सीमेंड कंक्रीट रोड, ट्रीपल आइटीएम के सामने खेल स्टेडियम साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बस अड्डा, भगवत सहाय कॉलेज का नया भवन बनने जा रहा है। क्षेत्र का विकास ही मेरी प्राथमिकता है, अगर कोई क्षेत्र विकास से पिछड रहा है तो आप मुझे अवगत करायें वहां भी कार्य कराया जायेगा। उन्होने कहा कि हजारों परिवारों को पात्रता पर्ची वितरित की जा रही है। कोई भी गरीब भूखा न रहे इस उद्धेश्य से प्रदेश सरकार कार्य कर रही हैं। क्षेत्र में विकास कार्य निरंतर कराये जा रहे हैं। साथ ही अधिकारियों को भी निर्देशित करते हुए कहा कि कार्य गुणवत्तापुर्ण के साथ साथ समय पर पूर्ण हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये। उन्होन कहा कि पिछडी हुई कॉलोनियों में विद्युतीकरण का कार्य भी चालू हो गया है। साथ ही प्रदेश सरकार ने हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए एक किलोवाट तक के बिजली के बिल 31 अगस्त तक के बिल फ्रीज कर दिये गए हैं। भूमि पूजन के अवसर पर श्री मनमोहन पाठक, श्री रामकुमार सिकरवार, श्री मीनू भदौरिया, श्री सूरज हलवाई, श्रीमती आरती तोमर, श्री छोटे तोमर, श्री संजय शर्मा सहित बडी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकगण उपस्थित रहे।

3 हजार 377 से अधिक शिकायतों का मौके पर निराकरण

300 शिकायत निवारण शिविर में हुआ उपभोक्ता शिकायतों का समाधान

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के अंतर्गत कंपनी द्वारा सितंबर माह के प्रथम पखवाड़े में उपभोक्ता शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु आयोजित 300 शिकायत निवारण शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में 3 हजार 795 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें से 3 हजार 377 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया एवं शेष शिकायतों का निराकरण जल्द ही कर दिया जाएगा। शिकायत निवारण शिविरों में मुख्यतः विलंब से बिलों का वितरण, बिल प्राप्त न होना, अधिक बिल राशि, मीटर वाचन देरी से होना, गलत रीडिंग होना, ऑनलाइन बिल जनरेट न होना, ऑनलाइन की गई पेमेंट न दिखना, विद्युत प्रदाय, नवीन कनेक्शन, भार वृद्धि तथा अन्य शिकायतें प्राप्त हुई हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल रीजन के अंतर्गत 185 शिविरों में कुल 2 हजार 498 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 2 हजार 320 शिकायतों का मौके पर निराकरण किया गया। ग्वालियर रीजन के अंतर्गत 115 शिविरों में कुल 1 हजार 297 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 1 हजार 57 शिकायतों को मौके पर ही निराकृत किया गया। शेष शिकायतों का निराकरण जल्दी ही कर लिया जाएगा।

शिकायत निवारण शिविरों में अधिक बिल राशि की 1 हजार 527, बिल प्राप्त न होने की 214, गलत रीडिंग की 444, नवीन कनेक्शन की 210, भार वृद्धि की 96, विद्युत प्रदाय की 202, देरी से रीडिंग की 17, रीडिंग नहीं लेने की 63, ऑनलाइन संबंधी 47 एवं अन्य 882 शिकायतें प्राप्त हुई जिन्हें मौके पर ही हल कर दिया गया साथ ही 322 कनेक्शनों की 15 लाख 93 हजार की बकाया राजस्व वसूली भी की गई। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि बिजली शिकायतों के निराकरण के लिए बिजली वितरण कंपनियां संवेदनशील हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से कहा कि बिजली की मैदानी शिकायतों के हल के लिए ग्रामीण क्षेत्र में हाट बाजार और वितरण केंद्रों पर शिकायतों को हल करने की योजना को प्रत्येक माह अमल में लाया जाएगा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री विशेष गढ़पाले ने घरेलू, गैर घरेलू एवं अन्य श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं से कहा है कि वे नज़दीकी वितरण केन्द्र अथवा शहरी जोन में जाकर अपनी बिजली संबंधी शिकायतों का निराकरण करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि 075525-5122 अथवा क्ख्ख्-श्रश्च अथवा 1912 पर शिकायतों का निराकरण कराया जा सकता है। श्री गढ़पाले ने कहा बिजली कंपनी उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं देने के लिए कृत-संकल्पित है।

आई.टी.आई. में पुनः रजिस्ट्रेशन के लिए 30 सितम्बर तक तिथि बढ़ी

ग्वालियर। प्रदेश के शासकीय और निजी आई.टी.आई. में रजिस्ट्रेशन तथा च्वाइस फिलिंग के लिए अंतिम तिथि में परिवर्तन किया गया है। आई.टी.आई. के लिए रजिस्ट्रेशन एवं च्वाइस फिलिंग की प्रक्रिया 21 सितम्बर से प्रारंभ है। शासकीय आई.टी.आई. में भी रजिस्ट्रेशन और च्वाइस फिलिंग की तिथि 25 सितम्बर से 30 सितम्बर निर्धारित की गई है। पूर्व में शासकीय आई.टी.आई. में पुन- रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 28 सितम्बर तय की गई थी। अब यह निर्णय लिया गया है कि निजी आई.टी.आई. के लिए रजिस्ट्रेशन एवं च्वाइस फिलिंग के लिए मध्यप्रदेश ऑनलाईन पोर्टल अब 16 अक्टूबर तक खुला रहेगा। जिससे जो छात्र पूर्व में रजिस्ट्रेशन नहीं कर सके है वे इस अवधि में रजिस्ट्रेशन और च्वाइस फिलिंग कर सकते हैं। शासकीय आई.टी.आई. में अब तक कुल 14 हजार 574 बच्चों को प्रवेश दिया गया है। इसमें क्रास ट्रेनिंग स्किल में 14 हजार 235, इंडिस्ट्रीयल मेनेजमेंट समिति 213 में तथा ड्यूल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग में 136 बच्चों को प्रवेश मिला है।

चीन के विश्वव्यापी विरोध की वजह से प्रदेश के उद्यमियों के लिए भी बेहतर अवसर: श्री सखलेचा

ग्वालियर । वर्तमान में पूरी दुनिया चीन के खिलाफ है। इसलिये कोरोना संकट के बाबजूद भारतीय उद्यमियों के लिये औद्योगिक निवेश के अच्छे अवसर हैं। मध्यप्रदेश के उद्यमी भी इसका फायदा उठाने के लिये आगे आएँ। प्रदेश सरकार उद्योगों की स्थापना के लिये जमीन, अधोसंरचना, स्किल्ड मानव संसाधन, बिजली व पानी सहित सभी तरह की सुविधायें आसानी से उपलब्ध करायेगी। यह बात प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कही। श्री सखलेचा मालनपुर, बानमौर व महाराजपुरा औद्योगिक क्षेत्र सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के अन्य जिलों में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों के उद्यमियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा उद्यमी यह सुनिश्चित करें कि उद्योगों से स्थानीय युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिले।

बुधवार को यहाँ ग्वालियर व्यापार मेला के सभाकक्ष में आयोजित हुई बैठक में मंत्री श्री सखलेचा ने संभागभर के औद्योगिक क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के सुझाव सुने। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों की समस्यायें भी जानी। उन्होंने बैठक के दौरान सभी के सुझावों पर अमल के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही समस्याओं के समाधान का भी भरोसा दिलाया। बैठक में संचालक एमएसएमई श्री भास्कर लाक्षाकार, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, उद्योग मंत्री के ओएसडी श्री शैलेन्द्र सिंह, ग्वालियर-चंबल संभाग के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों की एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे। मंत्री श्री सखलेचा ने कहा कि विश्वव्यापी चीन के बहिष्कार की वजह से वर्तमान में फर्नीचर, रेडीमेड गारमेंट, खिलौने व फूड प्रोसेसिंग जैसे उद्योगों में अपार संभावनायें हैं। ग्वालियर-चंबल संभाग के उद्यमी इसके लिये आगे आएं। उन्होंने कहा औद्योगिक क्लस्टर स्थापित कर इन उद्योगों की स्थापना करें, जिससे औद्योगिक इकाईयों को सरकार इकजाई रूप से सुविधायें मुहैया करा सके। साथ ही उत्पादों को बाजार मिलने में भी सुविधा रहे।

श्री सखलेचा ने कहा कि सरकार ई-निर्यात में भी पूरी मदद करेगी। साथ ही लघु उद्योग निगम के माध्यम से भी उत्पादों को बाजार मुहैया कराने में मदद दी जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि लंबित अनुदान का भुगतान अगले दो-तीन माह के भीतर कर दिया जायेगा। साथ ही उद्योगों की स्थापना के लिये कोरोना संकट को ध्यान में रखकर सरकार बैंकों से ऐसे उद्यमियों को बिना गारंटी के अतिरिक्त कैपिटल भी दिलायेगी, जो स्थायी डिफॉल्टर नहीं है। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों में डबल टैक्सेशन की समस्या, क्षेत्र विशेष की बिजली समस्या और आईएसआई अस्पताल की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कराने का भरोसा उद्यमियों को दिलाया।

उद्योगों के लिए अनडवलप जमीन भी दी जायेगी-सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री श्री सखलेचा ने कहा कि सरकार उद्योगों की स्थापना के लिए डवलप (विकसित) जमीन के साथ-साथ उद्यमियों की सुविधा के अनुसार अनडवलप (अविकसित) जमीन भी देने को तैयार है। उद्यमियों को जमीन इस शर्त के साथ दी जायेगी कि यदि दो साल के भीतर औद्योगिक इकाई स्थापित नहीं होती है तो वह जमीन स्वत- सरकार की हो जायेगी। मंत्री श्री सखलेचा ने बैठक में मौजूद कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह से कहा कि वे शहर के तीन किलोमीटर के दायरे में सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों की स्थापना के लिये जमीन तलाश करें। उन्होंने कहा सरकार औद्योगिक क्षेत्र के बेहतर से बेहतर रख-रखाव के लिये सभी सुविधायें मुहैया करायेगी। अगर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन भी चाहें तो औद्योगिक क्षेत्रों के रख-रखाव की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले सकतीं हैं।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पुष्पांजली टुडे

क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक

डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु

निःशुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रद्धांजलि शोक संदेश उठावनी

संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

P TV NEWS INDIA

प्रतिभा हम निखारेंगे

PUSHPANJALI TODAY न्यूज नई सोच नई पहल

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे। तो देर किस बात की हमे भेंजे अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार, आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं

हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।

PUSHPANJALI TODAY न्यूज नई सोच नई पहल

Whatsapp :- 9425665944,7999246560
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम / पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478